मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 66
रविवार, 14 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

पीएम मोदी ने मणिपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया

मणिपुर, 13 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मणिपुर के चूड़ाचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने मणिपुर जातीय हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोगों से चूड़ाचांदपुर में बातचीत की। मोदी ने चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में 3,600 करोड़ रुपये से अधिक की मणिपुर शहरी सड़कें, जल निकासी और परिसंपत्ति प्रबंधन सुधार परियोजना; 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की 5 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ; मणिपुर इन्फोटेक विकास (टक्ठऊ) परियोजना, 9 स्थानों पर कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास आदि शामिल हैं।

इस दौरान मोदी ने कहा कि मणिपुर की धरती साहस और वीरता की धरती है... मैं मणिपुर के लोगों के जज्बे को सलाम करना चाहता हूँ। आप सभी भारी बारिश के बावजूद यहाँ आए, मैं आपके प्यार के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। भारी बारिश के कारण मेरा हेलीकॉप्टर नहीं आ सका, इसलिए मैंने सड़क मार्ग से आने का फैसला किया। मैंने सड़क पर जो दृश्य देखे, उसके लिए मैं ईश्वर का धन्यवाद करता हूँ कि आज मेरा हेलीकॉप्टर काम नहीं कर रहा था। जिस तरह से मैंने मणिपुर के युवाओं और बुजुर्गों को हाथों में तिरंगा लिए देखा, मैं इस पल को अपने जीवन में कभी नहीं भूल सकता।

मोदी ने कहा कि मणिपुर के नाम में ही मणि है, ये वो मणि है जो आने वाले समय में पूरे नॉर्थ-ईस्ट की चमक को बढ़ाने वाली है। भारत सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि मणिपुर को विकास के रास्ते पर तेजी से आगे ले जाएं। इसी कड़ी में मैं आज यहां आप सभी के बीच आया हूं। थोड़ी देर पहले इसी मंच से करीब 7 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास हुआ है। ये प्रोजेक्ट्स मणिपुर के लोगों की, यहां हिल्स पर रहने वाले ट्राइबल समाज की जिंदगी को और बेहतर बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि पहले यहां गांवों में पहुंचना कितना मुश्किल था, आप सभी जानते हैं। अब सैकड़ों गांवों में यहां रोड कनेक्टिविटी पहुंचाई गई है। इसका बहुत अधिक लाभ पहाड़ी लोगों को, ट्राइबल गांवों को हुआ है। हमारी सरकार के दौरान ही मणिपुर में रेल कनेक्टिविटी का विस्तार हो रहा है।

बैज बस्तर के विकास के लिए ब्रिज नहीं, बैरियर हैं: संतोष पांडेय

रायपुर, 13 सितम्बर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडेय ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सतत प्रयासों से छत्तीसगढ़ की तस्वीर बदल रही है। संतोष पाण्डेय शनिवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे।

भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता संतोष पाण्डेय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास के लिए हम अविभाजित मध्यप्रदेश से संकल्पशील रहे हैं। तत्कालीन मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा जब बस्तर के प्रभारी मंत्री थे, तब उन्होंने बस्तर के विकास को लेकर शिला पत्थर रखा था, लेकिन उन पत्थरों को किसने उखाड़ा, बस्तर की जनता भलीभाँति जानती है।

संतोष पाण्डेय ने कहा कि जब देश में जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार थी, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई स्वयं बस्तर आए थे और कई विकास परियोजनाओं की शुरूआत की थी। हम हमेशा बस्तर के विकास को लेकर संवेदनशील रहे हैं। संतोष पांडेय ने कहा कि हाल के दिनों में बस्तर के विकास को लेकर मुख्यमंत्री श्री साय ने कनेक्ट बस्तर की शुरूआत की जिसकी सर्वत्र चर्चा हो रही है, जिसे लेकर कांग्रेस बेहद ही परेशान है। भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता संतोष पाण्डेय ने कहा कि कुछ सवाल हैं जिन्हें लेकर हमेशा कांग्रेस और दीपक बैज बचते हैं। लोहंडीगुड़ा दीपक बैज का विधानसभा क्षेत्र रहा है, जहाँ से जनता ने उन्हें बिदा कर दिया। बैज बताएँ कि लोहाण्डीगुड़ा और बस्तर के औद्योगिक विकास को लेकर उन्होंने क्या किया? वहाँ तो बैज औद्योगिक विकास के विरोधी व्यक्ति के रूप में जाने जाते है। संतोष पांडेय ने कहा कि बस्तर के विकास में हमेशा अवरोध पैदा करने का काम कांग्रेस ने किया, जिसे जनता जानती है। कांग्रेस के उद्योग मंत्री बस्तर से होने के बाद भी वहाँ औद्योगिक उपेक्षा क्यों हुई? यह एक सवाल आज भी कांग्रेस से है।

राजग 2029 में केंद्र की सत्ता में वापसी करेगा: एन चंद्रबाबू नायडू

आंध्र प्रदेश, 13 सितम्बर। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार 2029 में लगातार चौथी बार सत्ता में लौटेगी। एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले 11 सालों से जीत रहे हैं, तीसरा चुनाव खत्म हो गया। चौथा चुनाव भी, लिख लीजिए, फिर से राजग ही सत्ता में लौटेगा। इसमें कोई शक नहीं है। इस देश के भविष्य के लिए राजग का आना जरूरी है।

उन्होंने 11 सालों में भारत को 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए मोदी की तारीफ की। नायडू ने कहा कि अमरावती

में शुरू किए गए सभी कार्य अगले तीन वर्षों में पूरे हो जाएंगे, जिनमें 50,000 करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाएं भी शामिल हैं।

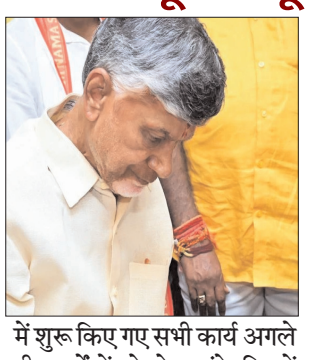

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि ग्रीनफील्ड राजधानी (अमरावती) का बुनियादी ढांचा 2028 तक तैयार हो जाएगा और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमरावती का उद्घाटन करेंगे और इसे देश को समर्पित करेंगे।

गृह मंत्री ने ऑपरेशन ब्लैक फारेस्ट में शामिल जवानों को किया सम्मानित

मुंबई, 13 सितम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में करेर्गुट्टालु पहाड़ी पर चलाए गए ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट जैसे सबसे बड़े अभियान को सफल बनाने वाले सुरक्षाबलों के जवानों को सम्मानित किया। सीआरपीएफ छत्तीसगढ़ पुलिस, डीआरजी और कोबरा के जवानों की बहादुरी को उन्होंने न केवल सलाम किया, बल्कि उन्हें देश का गौरव बताया। शाह की नीति ने जवानों का मनोबल इतना बढ़ाया कि वे हर खतरे का सामना करते हुए नक्सलियों का आधार खत्म करने में सफल रहे।

नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने वाले अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक सभी नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर देंगे, पकड़े नहीं जाएंगे या समाप्त नहीं हो जाएंगे, तब तक यह लड़ाई जारी रहेगी। शाह के नेतृत्व में सुरक्षाबलों ने कठिन पहाड़ी इलाकों, अत्यधिक गर्मी, ऊँचाई और आईईडी के खतरे के बावजूद बुलंद हौसले के साथ अभियान चलाकर नक्सलियों का मुख्य ठिकाना ध्वस्त कर दिया। उनके इस अडिग संकल्प ने जवानों में जोश भर दिया और उन्हें राष्ट्र रक्षा के लिए प्रेरित किया। नक्सलमुक्त भारत के निमार्ता शाह की सख्त रणनीतियों से प्रेरित होकर देश के वीर जवानों ने करेर्गुट्टालु पहाड़ी पर नक्सलियों के मैटीरियल डंप और सप्लाई चेन को नष्ट कर देश में विकास का रास्ता साफ किया। उनकी रणनीति के चलते नक्सली अब पीछे हट रहे हैं और सुरक्षाबलों की बढ़ती ताकत के

सामने टिक नहीं पा रहे हैं। आज अमृतकाल में विकास का सूरज उन इलाकों तक भी पहुँच रहा है, जहाँ नक्सलियों ने अंधकार का साम्राज्य बना रखा था। नक्सल विरोधी अभियानों के कारण पशुपतिनाथ से लेकर तिरुपति तक साढ़े छह करोड़ लोगों के जीवन में उजाला लौटा है। शाह ने घायल जवानों के पुनर्वास और उनके परिवारों की सहायता के लिए योजनाएँ लागू कर सुरक्षाबलों का आत्मविश्वास बढ़ाया है। उनकी नीति ने यह स्पष्ट कर दिया कि जवानों का मनोबल बढ़ाना ही देश की सुरक्षा की सबसे बड़ी कुंजी है।

शाह ने ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट में 10,000 से अधिक जवानों की भागीदारी सुनिश्चित कर एक अभूतपूर्व अभियान को अंजाम दिया। उनके नेतृत्व में 214 नक्सली ठिकानों को ध्वस्त किया गया, 12,000 किलो राशन बरामद हुआ और माओवादी के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजु का सफाया कर नक्सलियों को बड़ा झटका दिया गया। शाह की दृढ़ नीति ने सुरक्षाबलों को बेहतर समन्वय और संसाधनों से लैस किया, जिससे नक्सलवाद की रीढ़ टूट गई। आज नक्सलवाद अपनी अंतिम साँसे गिन रहा है। 21 दिनों तक चले अभियान में 30 से अधिक नक्सली मारे गए और सैकड़ों ने आत्मसमर्पण कर दिया। उनके नेतृत्व में क्ए्ऊ इत्र्छ शेल, कार्डेक्स विस्फोटक और हथियार बनाने की मशीनों की बरामदगी ने नक्सलियों की ताकत को कम कर दिया। अमित शाह ने व्हीलचेयर पर बैठे घायल जवानों के बीच पहुँचकर उनका हौसला बढ़ाते हुए, उन्हें नटराज प्रतिमा और मोर की मूर्तियों से सम्मानित कर यह साबित कर दिया कि वह केवल गृह मंत्री नहीं बल्कि देश के सुरक्षाबलों के अभिभावक भी हैं। नक्सलवाद के ताबूत में अंतिम कील ठोकने वाले अमित शाह ने स्पष्ट किया कि मोदी सरकार का संकल्प है कि 31 मार्च, 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाएगा।

उनके मार्गदर्शन में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों और रोजगार की नई योजनाएँ लागू की जा रही हैं, जो नक्सलियों की जड़ों को काट रही हैं।

मणिपुर को शांति-प्रगति की राह पर ले जाएगा पीएम मोदी का दौरा: बीरेन सिंह

मणिपुर, 13 सितम्बर। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राज्य यात्रा का स्वागत किया और इसे शांति और स्थायी प्रगति की ओर ले जाने वाला क्षण बताया। एक पोस्ट साझा करते हुए, बीरेन सिंह ने लिखा कि मणिपुर अदर्निया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का हार्दिक स्वागत है। मणिपुर के लोगों को पूरी उम्मीद है कि यह क्षण हमें शांति और स्थायी प्रगति की ओर ले जाएगा। हम सब मिलकर इस विश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं कि आने वाला कल अधिक सुरक्षित, मजबूत और समृद्ध होगा।

अपनी यात्रा से पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार मणिपुर के समावेशी और सर्वांगीण विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि मैं कल, 13 सितंबर को चुराचांदपुर और इंफाल में कार्यक्रमों में शामिल होऊँगा। हम मणिपुर के समावेशी और सर्वांगीण विकास को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। एक्स पोस्ट में लिखा कि सड़क परियोजनाओं, राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, महिला छात्रावासों आदि की आधारशिला रखी जाएगी। जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया जा रहा है उनमें मंत्रिपुखरी में नागरिक सचिवालय, आईटी एसईजेड भवन और मंत्रिपुखरी में नया

पुलिस मुख्यालय शामिल है, जो विभिन्न जिलों में महिलाओं के लिए एक अनूठा बाजार है। पीएमओ के अनुसार, प्रधानमंत्री चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इन परियोजनाओं में 3,600 करोड़ रुपये से अधिक की मणिपुर शहरी सड़कें, जल निकासी और परिसंपत्ति प्रबंधन सुधार परियोजना; 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की पाँच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ; मणिपुर इन्फोटेक डेवलपमेंट परियोजना, 9 स्थानों पर कामकाजी महिला छात्रावास आदि शामिल हैं।

प्रधानमंत्री इम्फाल में 1,200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। इनमें मंत्रीपुखरी में सिविल सचिवालय; मंत्रीपुखरी में आईटी एसईजेड भवन और नया पुलिस मुख्यालय; दिल्ली और कोलकाता में मणिपुर भवन; और चार जिलों में महिलाओं के लिए एक अनूठा बाजार, इमा मार्केट शामिल हैं।

गुमला में दो किशोरों ने आत्महत्या की

गुमला। झारखंड के गुमला जिले में दो किशोरों के शव उनके घरों में फंदे से लटके मिले। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, यह घटना शुक्रवार को जिले के बिशुनपुर प्रखंड में हुई। इसने बताया कि मृतकों की पहचान 14 वर्षीय लड़की और उसके 16 वर्षीय मित्रके रूप में हुई है।

गुमला के अनुमंडलीय पुलिस अधिकारी सुरेश प्रसाद यादव ने कहा, दोनों नाबालिग थे। शुरूआती जांच में मामला प्रेम संबंध का प्रतीत हो रहा है। फोन नंबर के आदान-प्रदान को लेकर दोनों में विवाद हुआ था।

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस-15 सितम्बर, 2025

आधुनिक तकनीक एवं मानवीय करुणा है लोकतंत्र की बुनियाद

-ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र ने 15 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के रूप में नामित किया है ताकि दुनिया भर में लोकतंत्र और उसके मूल सिद्धांतों का जश्न मनाया जा सके। विश्व समुदाय ने पहली बार 2008 में अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाना नए या पुनर्स्थापित लोकतंत्रों के पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की 20वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में स्वीकार किया, जिसने लोगों को दुनिया भर में लोकतंत्र को बढ़ावा देने पर जोर देने का अवसर प्रदान किया। इस दिन का मुख्य उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की समीक्षा करना, लोकतंत्रीकरण और मानवाधिकारों को बढ़ावा देना और दुनिया भर की सरकारों से नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करने और लोकतंत्र में सार्थक एवं सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह करना है। साथ ही, सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा का उद्देश्य 16 सतत विकास लक्ष्यों के साथ लोकतंत्र को संबोधित करना, सूचना तक जनता की पहुँच सुनिश्चित करना, मौलिक स्वतंत्रताओं की रक्षा करना, राष्ट्रीय कानूनों और अंतर्राष्ट्रीय समझौतों का पालन करना और प्रभावी, जवाबदेह, समावेशी संस्थाओं का विकास करना है। यह दिन दुनिया भर में लोकतंत्र को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जिसमें स्वतंत्र प्रेस और मौलिक स्वतंत्रताएं शामिल हैं, जिन्हें सेंसरशिप और शारीरिक हिंसा के बढ़ते खतरों का सामना करना पड़ता है।

लोकतंत्र केवल शासन प्रणाली ही नहीं है, बल्कि एक ऐसा ढाँचा है जो मानवाधिकारों की सुरक्षा, कानून के शासन और निर्णय लेने में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करता है। 2024 में, दुनिया की लगभग आधी आबादी वाले 50 से ज्यादा देशों में चुनाव हुए, जिससे वैश्विक स्तर पर समाजों के भविष्य को आकार देने में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस केवल एक प्रतीकात्मक दिवस भर नहीं है, बल्कि यह अवसर है कि हम परखें कि लोकतंत्र अपने आदर्श रूप में कितना जीवंत है और वास्तविक जीवन में कितनी चुनौतियों से जूझ रहा है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब लोकतंत्र ने अपनी जड़ों को मजबूत रखा, तब-तब समाज और राष्ट्र ने अभूतपूर्व प्रगति की, लेकिन जब-जब लोकतांत्रिक मूल्यों से खिलवाड़ हुआ, तब-तब अराजकता, अशांति, हिंसा, आतंक और तानाशाही प्रवृत्तियां हावी हो गईं। आज सबसे बड़ी चिंता यह है कि लोकतांत्रिक देशों में ही लोकतांत्रिक मूल्यों की धज्जियां उड़ाई जा रही है।

नेपाल में पिछले दिनों से चल रही अस्थिरता और आंदोलन यह दर्शाती है कि वहां की राजनीतिक नेतृत्व ने जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के बजाय सत्ता संघर्ष को वरीयता दी। बार-बार सरकार बदलना, नीतियों में असंगति, शासनगत भ्रष्टाचार और आमजन की समस्याओं की अनदेखी लोकतंत्र के मूल स्वरूप को ही चोट पहुँचाती है। यही हाल पाकिस्तान का है जहां लोकतांत्रिक ढांचा होते हुए भी सेना और सत्ता की सांठगांठ ने लोकतंत्र को खोखला बना दिया है। वहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पाबंदी और विपक्षी नेताओं पर दमन लोकतांत्रिक आदर्शों का उपहास है। बांग्लादेश में हाल के आंदोलनों ने यह स्पष्ट कर दिया कि सत्ता का केंद्रीकरण लोकतंत्र का गला घोंटता है। वहां आम जनता और छात्रों की आवाज को कुचलने का प्रयास हुआ जिससे असंतोष उभरकर सामने आया। भूटान जैसे छोटे राष्ट्र में भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया अपेक्षित रूप में मजबूत नहीं हो पा रही और सत्ता पर कुछ वर्गों का वर्चस्व देखा जा रहा है। ये उदाहरण बताते हैं कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने या संसद चलाने का नाम नहीं है। लोकतंत्र का अर्थ है नागरिक अधिकारों की रक्षा, समान अवसर, पारदर्शी शासन और जनता के प्रति जवाबदेही। जब नेता जनता से कट जाते हैं, जब संस्थाएं निष्पक्ष न रहकर सत्तापक्ष की कठपुतली बन जाती हैं, जब अभिव्यक्ति पर अंकुश लगाया जाता है, तब लोकतंत्र अपने असली स्वरूप से दूर हो जाता है। यही वजह है कि आज लोकतंत्र विश्वव्यापी संकट से गुजर रहा है।

आज दुनियाभर की शासन-प्रणालियों में घर कर रही समस्याओं के समाधान का रास्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना में है। सबसे पहले राजनीतिक दलों को आंतरिक लोकतंत्र अपनाना होगा, क्योंकि यदि दलों में ही तानाशाही हो तो राष्ट्र में लोकतंत्र कैसे जीवित रहेगा? दूसरा, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और मजबूत निर्वाचन प्रणाली लोकतंत्र की रीढ़ हैं, इन्हें किसी भी हालत में कमजोर नहीं होने देना चाहिए। तीसरा, नागरिक समाज और युवाओं को लोकतंत्र की रक्षा के लिए सजग और सक्रिय रहना होगा। महात्मा गांधी ने कहा था, ह्यलोकतंत्र जनता की आज्ञाकारिता नहीं, जनता की जागरूकता पर टिका है ह्व निश्चित है कि लोकतंत्र सर्वोत्तम शासन प्रणाली है, परंतु यह तभी प्रभावी हो सकता है जब इसके मूल तत्व-पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और स्वतंत्रता को व्यवहार में उतारा जाए। यदि लोकतंत्र सही ढंग से चले तो इससे उन्नत शासन प्रणाली नहीं हो सकती। लोकतंत्र केवल व्यवस्था नहीं, बल्कि एक सतत साधना है, और उसकी रक्षा का दायित्व शासकों से कहीं अधिक जनता पर है। लोकतंत्र केवल एक शासन-प्रणाली नहीं है, बल्कि यह जीवन-मूल्यों और मानवीय गरिमा का उत्सव है। इसमें शासक और शासित का भेद मिट जाता है और सत्ता का वास्तविक केन्द्र जनता होती है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी आत्मा में निहित है-जनता की सक्रिय भागीदारी और संवाद। जहाँ जनता मौन रहती है और केवल शासकों पर सब कुछ छोड़ देती है, वहाँ लोकतंत्र धीरे-धीरे खोखला हो जाता है और तानाशाही का रूप धारण कर लेता है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र है-उत्तरदायित्व और पारदर्शिता। यदि सत्ता में बैठे लोग अपने को जनता से ऊपर समझने लगें, भ्रष्टाचार और पक्षपात में डूब जाएँ, तो लोकतंत्र के मूल तत्व ही नष्ट हो जाते हैं।

आज की परिस्थितियों में लोकतंत्र को सबसे बड़ी चुनौती है-मूल्यों का ह्रास। केवल बाहरी ढाँचे और प्रक्रियाएँ ही लोकतंत्र को जीवित नहीं रख सकतीं। जब तक नागरिकों में नैतिक चेतना, कर्तव्य-बोध और सामाजिक सरोकार नहीं होंगे, तब तक लोकतंत्र केवल बहुमत की तानाशाही बनकर रह जाएगा। जैसा कि प्रायः कहा गया है-ह्यलोकतंत्र वही है जहाँ जनमत की गरिमा सुरक्षित हो, जनता की आवाज सुनी जाए और शासन जनता के कल्याण के लिए कार्य करे।ह्व लोकतंत्र का दूसरा पहलू है-विकेन्द्रित शक्ति। यदि सारे निर्णय केवल शीर्ष पर सीमित रहेंगे और गाँव, नगर, पंचायत या स्थानीय निकाय निष्क्रिय रहेंगे तो लोकतंत्र अधूरा रहेगा। असली लोकतंत्र वही है जहाँ निर्णय जनता की जमीनी जरूरतों के अनुसार हों और सत्ता की प्रक्रिया नीचे से ऊपर की ओर बहे। यह संवाद और सहमति का मार्ग है, संघर्ष और हिंसा का नहीं। इसे केवल व्यवस्था मानना भूल है; यह तो एक संस्कार और संस्कृति है, जो सतत आत्मावलोकन, आत्म-सुधार और समावेशिता की माँग करता है। अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाते हुए इसका सार यही है कि लोकतंत्र को बचाए रखने और उसे प्रभावी बनाने के लिए केवल संविधान और चुनाव काफी नहीं हैं; उसकी आत्मा को जीवित रखना आवश्यक है, जो जन-जागरण, नैतिकता और उत्तरदायित्व से ही संभव है। इस वर्ष लोकतंत्र दिवस मनाते हुए ह्यकृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और लोकतंत्रह्व के विषयों पर जोर दिया जा सकता है, जिसके तहत एआई के जिम्मेदार उपयोग से लोकतंत्र के मूल्यों को मजबूत करने की बात कही जाती है। यह दिन सभी के लिए एक सुरक्षित, समावेशी और अधिक जीवंत डिजिटल भविष्य बनाने के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों, भागीदारी, और मानवाधिकारों पर सामूहिक रूप से काम करने के महत्व पर भी प्रकाश डालता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक के इस युग में लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम तकनीक को केवल सुविधा का साधन न मानकर पारदर्शिता, संवाद और मानवीय मूल्यों को सशक्त करने का माध्यम बनाएँ। एआई लोकतंत्र को अधिक सहभागी और जवाबदेह बना सकता है-निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को डेटा-संपन्न, सटीक और पारदर्शी बनाकर, जनता की आवाज को त्वरित रूप से शासन तक पहुँचाकर। लेकिन यदि तकनीक केवल सत्ता या कॉर्पोरेट के हाथों का खिलौना बन जाए तो यह लोकतंत्र की आत्मा को कुचल सकती है। इसलिए जरूरी है कि तकनीकी नवाचार को मानवीय विवेक और करुणा से जोड़ा जाए। बढ़ती हिंसा, युद्ध और आतंक की स्थितियों का समाधान भी इसी में है कि हम संवाद, सहअस्तित्व और सहयोग को प्राथमिकता दें। लोकतंत्र को केवल राजनीतिक प्रणाली नहीं, बल्कि शांति और मानवीय गरिमा की संस्कृति बनाना होगा, जहाँ तकनीक मानवता की सेवा करे, विभाजन और विनाश का हथियार न बने।

भारतीय मूल के एक और नेता ने की वैश्विक राजनीति में एक मजबूत उपस्थिति दर्ज

अशोक भाटिया

भारतीय मूल के लोग वैश्विक राजनीति में एक मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। दुनिया भर के 29 देशों में 261 लोग जनप्रतिनिधि के रूप में कार्यरत हैं, जिनमें ब्रिटेन, मारीशस, फ्रांस, अमेरिका आदि प्रमुख हैं। सरकार की ओर से राज्यसभा में दिया गया यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर भारतीय प्रवासियों के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव को दशार्ता है। साथ ही यह भारतीय मूल के लोगों की बढ़ती शक्ति को रेखांकित करता है, जो दुनिया भर में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में भाग ले रहे हैं। दुनिया के अन्य देशों में 3.43 करोड़ से अधिक भारतीय निवास करते हैं।

हाल ही में राज्यसभा सदस्य सतनाम सिंह संधू के सवाल पर विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लिखित में यह जानकारी दी। सिंह ने अपने जवाब के साथ 29 देशों की सूची भी दी, जिसमें भारतीय मूल के जनप्रतिनिधियों की संख्या देशवार दी गई थी। इस सूची के मुताबिक, मारीशस में सबसे अधिक 45 भारतीय मूल के लोग चुने हुए जनप्रतिनिधि हैं। भारतीय मूल के नवीन रामगुलाम मारीशस के प्रधानमंत्री हैं। इसी तरह गुयाना में भारतीय मूल के 33 लोग चुन हुए जनप्रतिनिधि हैं। ब्रिटेन में 31, फ्रांस में 24, सूरीनाम में 21, त्रिनिदाद एवं टोबैगो में 18 और फिजी व मलेशिया में भारतीय मूल के जनप्रतिनिधियों की संख्या 17-17 है। अमेरिका में भारतीय मूल के छह लोग जनप्रतिनिधि हैं।

इनमें नेपाल में हाल ही में भारतीय मूल की सुशीला कार्की का नाम भी जुड़ गया है। शुक्रवार रात युवाओं की पसंदीदा सुशीला कार्की ने देश की अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है। सुशीला कार्की का भारत से भी काफी खास संबंध है। उनकी पढ़ाई वाराणसी से पूरी हुई है, इसके साथ ही उन्हें अपना जीवनसाथी भी बनारस में ही मिला।सुशीला कार्की ने 1975 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में टउ किया है। कार्की की इल्व से दोस्ती और ईमानदारी के किस्से आज भी याद किए जाते हैं।

इसके अलावा लोकसभा में बताया कि दुनिया के अन्य देशों में भारतीय मूल के 3,43,56,193 (जनवरी, 2025 तक) लोग रहते हैं। इस सूची में दुनिया के 206 देशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों की संख्या शामिल है। इस सूची के मुताबिक, अमेरिका में सबसे ज्यादा 56 लाख से अधिक भारतीय मूल के लोग निवास करते है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में करीब 39 लाख, सऊदी अरब में साढ़े 47 लाख, मलेशिया में 29 लाख से अधिक, ब्रिटेन में 13 लाख से ज्यादा, कुवैत में 10 लाख और आस्ट्रेलिया में भी करीब 10 लाख भारतीय मूल के लोग निवास करते हैं। इस सूची के मुताबिक, पाकिस्तान और सैन मरीनो में कोई भी भारतीय मूल का व्यक्ति निवास नहीं करता है।सरकार ने प्रवासी भारतीयों को जोड़ने और उन्हें राष्ट्र निर्माण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, निवेश व अपनी मातृभूमि के विकास में योगदान के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कई पहल की हैं।ऐसी पहल सरकार की प्रवासी सहभागिता नीति का अहम घटक हैं। मंत्रालय प्रवासी भारतीयों के साथ जुड़ने व उनकी विशेषज्ञता, संसाधनों और सद्भावना का लाभ उठाने के लिए विविध योजनाओं को लागू कर रहा है। इन पहलों ने प्रवासी भारतीयों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत किया है और प्रवासी सदस्यों को ह्यविकसित भारत की दिशा में भारत के विकास में सक्रिय रूप से भागीदार बनने के लिए प्रोत्साहित किया है।

अभी हाल ही सिंगापुर में हुए राष्ट्रपति चुनाव ने भारतीय मूल के थर्मन शनमुगरत्नम ने जीत दर्ज करते हुए देश के राष्ट्रपति बने है। वे देश के 9वें राष्ट्रपति होंगे। थर्मन ने चीनी मूल के 2 प्रतिद्वंदियों को मात देते हुए यह चुनाव जीता। इस चुनाव में उन्हें कुल 70।4% वोट प्राप्त हुए। उन्होंने हलीमा याकूब का स्थान लिया है।

भारतवंशी थर्मन का जन्म 25 फरवरी 1957 को सिंगापुर में हुआ था। उनके दादा तमिलनाडु से जाकर सिंगापुर में रहने लगे थे। थर्मन के पिता प्रो।के। शनमुगरत्नम एक चिकित्सा वैज्ञानिक थे, जिन्हें सिंगापुर में पैथोलॉजी का जनक माना जाता था। वह पेशे से एक अर्थशास्त्री है। थर्मन ने अपना पूरा कामकाजी जीवन सार्वजनिक सेवा में, मुख्य रूप से आर्थिक और सामाजिक नीतियों से संबंधित भूमिकाओं में बिताया है। उन्होंने कैम्ब्रिज से पढ़ाई की है। वह सिंगापुर के ह्यपॉलिसी मेकर रहे है। थर्मन की पत्नी जेन इटोगी चीनी-जापानी मूल की हैं। थर्मन सिंगापुर में भारतीय मूल के तीसरे राष्ट्रपति बने हैं। इससे पहले 1981 में संसद में चुने गए देवेन नायर राष्ट्रपति बने थे। वहीं एस। आर। नाथन 1999 से 2011 तक सिंगापुर के राष्ट्रपति रहे थे। थर्मन वोटिंग के जरिये राष्ट्रपति पद तक पहुंचने वाले पहले भारतीय हैं।

वर्तमान में सिंगापुर के राष्ट्रपति के अलावा 8 देशों के प्रमुख भारतवंशी हैं। इसके अतिरिक्त 42 देशों की सरकार या विपक्ष में कम से कम एक भारतवंशी है। सबसे ज्यादा सांसद कनाडा में हैं। जिनमे तीन कैबिनेट मंत्री भारतीय मूल के है। वही दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी भारतीय मूल की है।

ऋषि सुनक ब्रिटेन के पहले अश्वेत प्रधानमंत्री और 200 साल में सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री बने थे। जो एक भारतीय मूल के नेता है। वह 20 अक्टूबर 2022 को लिज ट्रस के इस्तीफा देने के बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने थे।

वर्तमान में गुयाना देश का नेतृत्व भी भारतीय मूल के नेता कर रहे है। 2 अगस्त, 2020 को भारतवंशी मोहम्मद इरफान अली (टङ्मँ क्रिश्ल्ल अ') गुयाना के 10वें राष्ट्रपति है। वह इस पद पर आसीन होने वाले पहले मुस्लिम नेता भी हैं, साथ ही त्रिनिदाद और टोबैगो के नूर हसनअली के बाद अमेरिका में दूसरे मुस्लिम राष्ट्र प्रमुख भी है। अली का जन्म वेस्ट कोस्ट डेमारारा के लियोनोरा में एक मुस्लिम इंडो-गुयाना परिवार में हुआ था।

एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा वर्ष 2015 से पुर्तगाल के प्रधानमंत्री हैं और देश के 119वें प्रधान मंत्री हैं। वह आधे भारतीय और आधे पुर्तगाली हैं। कोस्टा का जन्म 1961 में साओ सेबेस्टियाओ दा पेड्रेइरा, लिस्बन में हुआ था, वह लेखक ऑरलैंडो दा कोस्टा और पत्रकार मारिया एंटोनिया पल्ला के बेटे है।

भारतवंशी चंद्रिकाप्रसाद 'चान' संतोखी 2020 से सूरीनाम के नौवें राष्ट्रपति है। उन्हें निर्विरोध चुनाव के माध्यम से चुना गया था। चंद्रिकाप्रसाद संतोखी का जन्म 3 फरवरी 1959 को सूरीनाम के लेलीडॉर्प में एक इंडो-सूरीनाम हिंदू परिवार में हुआ था।

मॉरीशस देश की कमान भी एक भारतवंशी के हाथ में ही है। मॉरीशस के राजनेता प्रविंद कुमार 2017 से प्रधान मंत्री पद पर है। जुगनाथ का जन्म 25 दिसंबर 1961 को मॉरीशस के वेकोअस-फीनिक्स के एक हिंदू यदुवंशी अहीर परिवार में हुआ था। जुगनाथ के पूर्वज उत्तर प्रदेश से हैं। वह 2003 से मिलिटेंट सोशलिस्ट मूवमेंट के नेता रहे हैं।

यूरोपीय देश आयरलैंड का नेतृत्व भी एक भारतीय मूल के नेता लियो एरिक वराडकर कर रहे है। वह दिसंबर 2022 से आयरलैंड का नेतृत्व कर रहे है। इससे पहले वह 2017 से 2020 तक ताओसीच के रूप में कार्य किया था। उनका जन्म डबलिन में हुआ था उनके पिता मुंबई से थे। पृथ्वीराजसिंह रूपुन 2019 से मॉरीशस के सातवें राष्ट्रपति हैं। उनका जन्म एक हिंदू परिवार में हुआ था जो आर्य समाज के अनुयायी हैं। उनका विवाह सयुक्ता रूपुन से हुआ है। रूपन 1983 में राजनीति में शामिल हुए और 1995 में पहली बार उम्मीदवार के रूप में खड़े हुए थे।

दुश्मन देश के साथ क्रिकेट का क्या औचित्य

-अजय कुमार

14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाला एशिया कप 2025 का भारत-पाकिस्तान मुकाबला खेल से कहीं अधिक, एक भावनात्मक और राजनीतिक बहस बन चुका है। आमतौर पर इस मैच का ऐलान होते ही पूरे देश में उत्साह और रोमांच का माहौल बनता है। टिकट कुछ ही घंटों में बिक जाते हैं, पब और रेस्टोरेंट्स बड़ी स्क्रीन पर लाइव प्रसारण दिखाने के लिए बुकिंग शुरू कर देते हैं और लोग इसे क्रिकेट का महाकुंभ मानते हैं। लेकिन इस बार नजारा बिल्कुल उलट है। पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर की टीस अब भी ताजा है, और देश का जनमानस पूछ रहा है कि जब हमारे जवानों और नागरिकों का खून अभी सूखा भी नहीं, तो दुश्मन देश के साथ क्रिकेट खेलने का क्या औचित्य है?

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला भारत की आत्मा को झकझोर देने वाला था। चार आतंकियों ने बैसरन घाटी में टूरिस्टों पर अंधाधुंध फायरिंग की और धर्म पूछकर लोगों को गोलियों से भून दिया। इस नृशंस वारदात में 26 निदोर्षों की जान चली गई, जिनमें महिलाएं, बच्चे, एक नेपाली नागरिक और एक ईसाई पर्यटक शामिल थे। 22 लोग घायल हुए। आतंकी संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट (TRF), जो लश्कर-ए-तैयबा की शाखा है, ने इसकी जिम्मेदारी ली। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने साफ किया कि यह पाकिस्तान प्रायोजित हमला था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तुरंत सऊदी अरब यात्रा रद्द कर आपात बैठक बुलाई और गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा समीक्षा की। इसके बाद भारत ने अटारी-वाघा बॉर्डर बंद कर दिया, पाकिस्तानी वीजा रद्द कर दिए और सिंधु जल संधि स्थगित कर दी। इस हमले की तुलना हमास पैटर्न से की गई क्योंकि इसमें सीधे निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया।

पहलगाम की इस त्रासदी के बाद देश का गुस्सा शांत नहीं हुआ था कि मई में भारत ने जवाबी कार्रवाई के तौर पर ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। भारतीय वायुसेना के राफेल विमानों ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के मुजफ्फराबाद और कोटली से लेकर पाकिस्तान के बहावलपुर तक नौ आतंकी ठिकानों को SCALP मिसाइलों से तबाह कर दिया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस कार्रवाई में करीब 100 आतंकी और 130 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। लेकिन पाकिस्तान ने भी पलटवार किया और ड्रोन तथा मिसाइल हमलों में भारत ने 20 जवान खो दिए। यह देश के लिए एक और बड़ा सदमा था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने मुंहतोड़ जवाब दिया है, लेकिन शहीदों की कुबार्नी ने जनता को गहराई तक आहत कर दिया।

इसी पृष्ठभूमि में जब भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच की घोषणा हुई, तो जनता का गुस्सा फूट पड़ा। ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर #BoycottPakCricket और #PahalgamAttack जैसे हैशटैग ट्रेंड करने लगे। लोग लिख रहे थे कि शहीदों के खून पर क्रिकेट का तमाशा नहीं होना चाहिए। कई जगहों पर बीसीसीआई के खिलाफ प्रदर्शन हुए, पाकिस्तानी झंडे जलाए गए। मुरादाबाद में सपा नेता एसटी हसन ने कहा कि शहीदों के अपमान को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बीजेपी के पूर्व सांसद गौतम गंभीर ने ट्वीट किया कि आतंकवाद रुके बिना पाकिस्तान से कोई मैच नहीं खेला जाना चाहिए। शिवसेना (UBT) के संजय राउत ने इसे राष्ट्रद्रोह बताया और बीसीसीआई को कटघरे में खड़ा किया। आदित्य ठाकरे ने तो यहां तक कहा कि पाकिस्तान से क्रिकेट खेलना शहीदों के परिवारों के जख्मों पर नमक छिड़कना है। यहां तक कि लेफ्ट और राइट पार्टियां, जो अक्सर एक-दूसरे के खिलाफ रहती हैं, इस बार एक सुर में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट का विरोध करती दिखीं।

सिर्फ राजनीतिक दल ही नहीं, क्रिकेट जगत के कई बड़े नाम भी इस बहस में कूद पड़े। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने साफ कहा कि भारत-पाक मैच तब तक नहीं होना चाहिए जब तक रिश्ते सामान्य नहीं हो जाते। उनका कहना था कि जब हमारे जवान घर नहीं लौटते, तो ऐसे समय में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना देश की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है। यही भावना शहीदों के परिवारों की भी है। कानपुर के शहीद शुभम द्विवेदी की पत्नी और पिता ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट लिखकर सरकार और बीसीसीआई से पाकिस्तान का पूर्ण बहिष्कार करने की मांग की।

लेकिन दूसरी तरफ सरकार और बीसीसीआई का रुख कुछ और है। अगस्त 2025 में खेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय सीरीज नहीं होगी, लेकिन एशिया कप जैसे बहुपक्षीय टूनार्मेंट्स में भारत की भागीदारी बनी रहेगी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने भी यही कहा कि भारत सरकार ने बहुपक्षीय टूनार्मेंट्स में रोक नहीं लगाई है। चूंकि एशिया कप का आयोजन एशियन क्रिकेट काउंसिल (ACC) के तहत हो रहा है और पाकिस्तान ने भारत में खेलने से इनकार कर दिया, इसलिए मैच दुबई में तय किया गया। बीसीसीआई अधिकारियों ने खुद मैच के लिए दुबई जाने से इनकार किया है, लेकिन टीम को भेजा जा रहा है। सवाल यह उठ रहा है कि जब सरकार ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि स्थगित कर दी, जब बॉर्डर सील कर दिए गए, तो फिर क्रिकेट को अपवाद क्यों बनाया जा रहा है?

इस बीच सुप्रीम कोर्ट में भी यह मामला पहुंचा। पुणे के एक सामाजिक कार्यकर्ता ने याचिका दाखिल की कि भारत-पाकिस्तान मैच रद्द किया जाए क्योंकि यह शहीदों का अपमान है। लेकिन अदालत ने त्वरित सुनवाई से इनकार कर दिया और कहा कि यह सिर्फ एक खेल है, इसमें भावनाओं को न मिलाया जाए। यह फैसला जनता के गुस्से को और भड़का गया। लोग कह रहे हैं कि अगर यह सिर्फ खेल है तो फिर देशभक्ति के नाम पर हर मंच पर क्रिकेट का इस्तेमाल क्यों किया जाता है? इस पूरे विवाद का असर मैदान से बाहर भी दिख रहा है। आमतौर पर भारत-पाक मुकाबले के टिकट कुछ ही घंटों में बिक जाते हैं, लेकिन इस बार दुबई स्टेडियम के आधे टिकट अभी भी अनबिके हैं। रेस्तरां और पब ने भी बड़े स्क्रीन पर मैच दिखाने के विज्ञापन बंद कर दिए हैं। एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र के ऑनलाइन पोल में 80 फीसदी लोगों ने पाकिस्तान से क्रिकेट खेलने का विरोध किया है। यह साफ संकेत है कि जनता इस बार क्रिकेट को मनोरंजन के तौर पर स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

कुछ विश्लेषक तर्क दे रहे हैं कि भारत को इस मैच से 7000 करोड़ रुपये से ज्यादा का राजस्व और करोड़ों की व्यूअरशिप मिलती है। क्रिकेट भारत की सॉफ्ट पावर है और इसका असर 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी पर भी पड़ सकता है। लेकिन दूसरी तरफ तर्क यह भी है कि अमेरिका और रूस जैसे देशों ने भी शीत युद्ध के दौरान ओलंपिक का बहिष्कार किया था, फिर भी वे महाशक्तियां बनीं। भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है, तो क्या शहीदों की कुबार्नी से ऊपर क्रिकेट का पैसा रखा जा सकता है? इस मैच को लेकर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी के बयानों ने भी आग में घी डालने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भारत क्रिकेट का इस्तेमाल राजनीति के लिए करता है, जिससे भारतीय सोशल मीडिया और ज्यादा भड़क उठा। बीजेपी पर विपक्षी दल आरोप लगा रहे हैं कि सरकार पाकिस्तान के खिलाफ सिर्फ जुबानी राष्ट्रवाद दिखाती है, लेकिन व्यावहारिक स्तर पर क्रिकेट और अन्य क्षेत्रों में ढील दे देती है।

अब सवाल यह है कि जब प्रधानमंत्री खुद कह चुके हैं कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, तो क्या खून और क्रिकेट साथ बह सकते हैं? क्या शहीदों के खून का मोल सिर्फ इतना है कि हम सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दें और अगले ही पल दुश्मन देश के साथ बैट-बॉल का खेल खेलने बैठ जाएं?14 सितंबर को जब टीम इंडिया मैदान पर उतरेगी, तो खिलाड़ियों का ध्यान भले रन और विकेट पर हो, लेकिन दर्शकों की निगाहें सिर्फ क्रिकेट पर नहीं होंगी। वे यह भी देख रहे होंगे कि क्या शहीदों की कुबार्नी से बड़ा हमारे लिए कोई खेल हो सकता है। यह मुकाबला सिर्फ भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट नहीं, बल्कि देश की आत्मा और सम्मान की कसौटी भी है।

वंशवाद में सिमटती देश की राजनीति

-संजय सक्सेना

भारतीय राजनीति में वंशवाद का मुद्दा कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल ही में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और नेशनल इलेक्शन वॉच (एलईडब्लूय) द्वारा 12 सितंबर 2025 को जारी रिपोर्ट ने इस पुरानी समस्या को एक बार फिर ताजा कर दिया है। इस रिपोर्ट में देशभर के 5,204 सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों की गहन पड़ताल की गई और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि हर पांच में से एक नेता, यानी लगभग 21 प्रतिशत जनप्रतिनिधि, राजनीतिक परिवारों से आते हैं। यह आंकड़ा सिर्फ संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की कमजोर होती नींव का प्रतीक है। लोकसभा में यह आंकड़ा और भी अधिक, 31 प्रतिशत तक पहुँच गया है। राज्यसभा में 21 प्रतिशत, राज्य विधानसभाओं में 20 प्रतिशत और विधान परिषदों में 22 प्रतिशत नेता परिवारवाद की छाया में राजनीति कर रहे हैं।परिवारवाद की जड़ें इतनी गहरी हैं कि उन युवा नेताओं को आगे बढ़ने का मौका ही नहीं मिलता है जिनके परिवार में कोई राजनीति से जुड़ा नहीं है। सवाल यह है कि कांग्रेस में गांधी परिवार, राष्ट्रीय जनता दल में लालू के बाद उनके बेटे तेजस्वी यादव,समाजवादी पार्टी में मुलायम सिंह के बाद उनके बेटे अखिलेश यादव, तमिलनाडु में करुणानिधि की वंशवाद वाली सियासत, महाराष्ट्र में उद्धव की शिवसेना में उद्धव ठाकरे के बाद उनके बेटे आदित्य ठाकरे,रामविलास पासवान के बाद उनके बेटे चिराग पासवान को,पंजाब में बादल परिवार,हरियाणा में चौटाला परिवार तो बसपा में मायावती के बाद उनके भतीजे आकाश, पश्मिच बंगाल में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को ही उत्तराधिकारी की कुर्सी क्यों मिलती है। क्या पार्टी में परिवार से बाहर के नेताओं की कमी रहती है।

बात राष्ट्रीय दलों से शुरू की जाये तो इसमें कांग्रेस सबसे आगे है। नेहरू-गांधी परिवार की विरासत यहाँ स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी जैसे नाम सिर्फ कांग्रेस की ही नहीं, बल्कि देश की राजनीति में वंशवाद का प्रतीक बन चुके हैं। कांग्रेस के कुल नेताओं में 32 प्रतिशत परिवारवादी हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) में यह आंकड़ा 30 प्रतिशत, भाजपा में 17 प्रतिशत और वामपंथी दल सीपीआई(एम) में केवल 8 प्रतिशत है। इसके विपरीत, तृणमूल कांग्रेस और एआईएडीएमके जैसी दलों में यह प्रतिशत काफी कम है द 10 और 4 प्रतिशत। इसका कारण है कि ये दल मजबूत संगठन और काडर-आधारित संरचना पर विश्वास करते हैं, जिससे नए नेताओं को मौका मिल पाता है।

क्षेत्रीय दलों की स्थिति और भी चिंताजनक है। एनसीपी (शरद पवार गुट) और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस में 42-42 प्रतिशत नेता राजनीतिक परिवारों से आते हैं। वाईएसआर कांग्रेस में यह आंकड़ा 38 प्रतिशत और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) में 36 प्रतिशत है। यह दशार्ता है कि दक्षिण भारत में भी परिवारवाद अब राजनीति का स्थायी हिस्सा बन चुका है। टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू और वाईएसआरसी के जगन मोहन रेड्डी इसके जीते-जागते उदाहरण हैं।

राज्यवार आंकड़े भी चिंताजनक हैं। उत्तर प्रदेश वंशवाद का सबसे बड़ा गढ़ माना जाता है। 604 जनप्रतिनिधियों में 141 (23 प्रतिशत) परिवारवादी हैं। लोकसभा में यूपी के 28 सांसदों में राहुल गांधी (रायबरेली), अखिलेश यादव (कन्नौज), अनुप्रिया पटेल (अपना दल), जितिन प्रसाद (पीलीभीत) और जयंत चौधरी (रालोद) शामिल हैं। राज्यसभा में रामगोपाल यादव, आरपीएन सिंह और नीरज शेखर जैसे नामों ने यह साबित किया कि यहां वंशवाद गहराई तक फैला हुआ है। समाजवादी पार्टी के 161 नेताओं में 48 (30 प्रतिशत) और भाजपा के 17 प्रतिशत नेता वंशवादी हैं।

अनुपात में आंध्र प्रदेश सबसे ऊपर है, जहां 255 नेताओं में 86 (34 प्रतिशत) परिवारवादी हैं। महाराष्ट्र में 403 में 129 (32 प्रतिशत), बिहार में 360 में 96 (27 प्रतिशत), कर्नाटक में 326 में 94 (29 प्रतिशत) और असम में केवल 13 (9 प्रतिशत) नेता परिवारवादी हैं। तमिलनाडु (15 प्रतिशत) और पश्चिम बंगाल (9 प्रतिशत) में काडर-आधारित दलों की मजबूती के कारण यह आंकड़ा कम है। झारखंड और हिमाचल प्रदेश में यह क्रमशः 28 और 27 प्रतिशत है। इन आंकड़ों से यह साफ होता है कि बड़े और प्रभावशाली राज्यों में वंशवाद लोकतंत्र को निगलता जा रहा है।

महिलाओं के मामले में स्थिति और भी गंभीर है। कुल 539 महिला सांसदों-विधायकों में 47 प्रतिशत (251) नेता सियासी परिवारों से हैं, जबकि पुरुष नेताओं में यह आंकड़ा केवल 18 प्रतिशत (856/4,665) है। उत्तर प्रदेश में 69 महिला नेताओं में से 29 (42 प्रतिशत), महाराष्ट्र में 39 में 27 (69 प्रतिशत), आंध्र प्रदेश में 29 में 20 (69 प्रतिशत) और बिहार में 44 में 25 (57 प्रतिशत) महिला नेता परिवारवाद से आते हैं। तेलंगाना में यह आंकड़ा 64 प्रतिशत और गोवा-पुडुच्चेरी में 100 प्रतिशत है। भाजपा में 41 प्रतिशत और कांग्रेस में 53 प्रतिशत महिला नेता परिवार से हैं। सपा में यह संख्या 67 प्रतिशत है। इसका मतलब यह साफ है कि महिलाओं को राजनीति में लाने का मार्ग परिवारवाद के माध्यम से ही संभव होता है, जबकि गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि वाली महिलाओं के लिए अवसर सीमित रह जाते हैं।

वंशवाद केवल बड़े दलों तक सीमित नहीं है। छोटे और अपंजीकृत दलों के 87 नेताओं में से 21 (24 प्रतिशत) वंशवादी हैं। नौ दल पूरी तरह से परिवार आधारित हैं। निर्दलीयों में 94 में से 23 (24 प्रतिशत) नेता राजनीतिक परिवारों से आते हैं। यह दिखाता है कि वंशवाद हर स्तर पर गहरा चुका है और इसका दायरा न केवल राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों तक, बल्कि स्थानीय राजनीति तक फैल चुका है।

एडीआर की रिपोर्ट ने इसके चार प्रमुख कारण बताए हैं। पहला कारण है चुनावों का महंगा होना। एक औसत उम्मीदवार को चुनाव जीतने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करने पड़ते हैं। ऐसे में दल उन लोगों को टिकट देते हैं, जिनके पास पैसा और नेटवर्क हो। दूसरा कारण है दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव। उम्मीदवारों का चयन पारदर्शी नहीं होता और परिवार हावी हो जाते हैं। तीसरा कारण ह्यजीतने की क्षमताह्ल का तर्क है। राजनीतिक परिवारों के नाम और नेटवर्क वोट दिलाने में मदद करते हैं। चौथा कारण सामाजिक न्याय के नाम पर बने दलों में भी परिवारवाद का प्रभाव है। सपा, आरजेडी जैसे दलों में परिवार ही राजनीति का केंद्र बन चुके हैं।

इस रिपोर्ट में वंशवाद को रोकने के लिए कुछ ठोस सुझाव भी दिए गए हैं। सख्त कानून बनाए जाने चाहिए, ताकि दलों में आंतरिक लोकतंत्र सुनिश्चित किया जा सके। आंतरिक चुनाव और गुप्त मतदान के माध्यम से पद चयन और टिकट वितरण में पारदर्शिता लानी चाहिए। महिलाओं के लिए एक-तिहाई टिकट अनिवार्य की जानी चाहिए और उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई हो। महिलाओं का सशक्तिकरण सुनिश्चित करना होगा और प्रॉक्सी या टोकन उम्मीदवारों की नीति समाप्त करनी होगी। उम्मीदवारों को परिवार की शक्ति के बजाय योग्यता के आधार पर चयनित किया जाना चाहिए। चुनाव आयोग की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। दलों को अपने चयन मानदंड सार्वजनिक करने होंगे और दलों को आरटीआई के दायरे में लाया जाना चाहिए। चुनाव खर्च पर सख्त सीमा लगाई जानी चाहिए। युवाओं को भी मौके मिलें, गैर-वंशवादी उम्मीदवारों और महिलाओं को प्रोत्साहित किया जाए और मतदाताओं को वंशवाद के नुकसान के बारे में जागरूक किया जाए।

वंशवाद लोकतंत्र को धीरे-धीरे खोखला कर रहा है। यह नई प्रतिभाओं को दबाता है, जवाबदेही को कमजोर करता है और लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ खिलवाड़ करता है। एडीआर की यह रिपोर्ट इस बात का स्पष्ट संकेत है कि सभी दल कांग्रेस, भाजपा, सपा, टीडीपी को अपनी कमियों को सुधारना होगा। नेपाल में जेन जेड ने नेपोटिज्म के खिलाफ आंदोलन कर सरकार तक गिरा दी। भारत के युवा भी अगर जागरूक हों, तो बदलाव की राह बन सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने गैर-राजनीतिक युवाओं को मौका देने की बात कही है, लेकिन जमीनी बदलाव अभी धीमा है। सवाल यह है कि क्या हम योग्यता पर आधारित लोकतंत्र चाहते हैं या वंशवाद के खेल को जारी रखना चाहते हैं? जवाब आने वाला समय ही देगा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उदिता निगम को मिला पुरस्कार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई स्थित रिलायंस मुख्यालय में कार्यरत उदिता निगम को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एक प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें रिलायंस मुख्यालय के सभागार में गणमान्य जनों की उपस्थिति में 'श्रेष्ठ मानव संसाधन अधिकारी एवं उत्कृष्ट कार्यप्रणाली' नामक प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया।

ज्ञात हो कि श्रद्धा निगम एवं विनय कुमार निगम की सुपुत्री उदिता निगम उ.प्र.के कानपुर शहर की मूल निवासी हैं। प्रतिभावान उदिता निगम ने अपनी काबिलियत और लगन के बल पर एक बार फिर शहर और परिवार का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार, शहर और समाज को गर्व की अनुभूति हुई ।इस अवसर पर पारिवारिक सदस्य एवं शुभेच्छुओं ने हार्दिक बधाई दी।

पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद में जुटी मुंबई की मेघाश्रेय संस्था

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पंजाब में आई भयानक बाढ़ की त्रासदी के बीच देश की जानी-मानी समाजसेविका मेघाश्रेय संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा सिंह द्वारा पंजाब के अलग-अलग इलाके में समर्पित भावना के साथ राहत कार्य किया जा रहा है। संस्था द्वारा बाढ़ पीड़ितों के खाने-पीने की सामग्री ,कंबल चद्दर ,चाय ,नाश्ते समेत सभी प्रकार की मदद की जा रही है। संस्था की टीम घर-घर पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों की सेवा में लगी हुई है । संस्था की संस्थापिका सीमा सिंह ने कहा कि उनकी संस्था का यही उद्देश्य है कि दुख की घड़ी में मानवता और भाईचारे को चरितार्थ करें और लोगों की निस्वार्थ सेवा करें। उन्होंने बताया कि पंजाब के अंदर संस्था की 150 लोगों की टीम अलग-अलग इलाकों में राहत कार्य और मदद पहुंचाने में लगी हुई है। जब तक पंजाब में हालात सामान्य नहीं हो जाता, तब तक उनकी संस्था पंजाब के लोगों के बीच सेवा की भावना के साथ काम करती रहेगी।

साकीनाका के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक से सदीक्षा भेंट

मुंबई (उत्तरशक्ति)। साकीनाका पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुनील मो. यादव को पदभार सम्हालने के उपलक्ष्य में शनिवार को स्नेहिल मुलाकात कर पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंटकर बधाई देते हुए भाजपा नेता रामबिलास पाठक, वरिष्ठ पत्रकार पवन पाठक, जेएमडी ग्रुप के चेयरमैन हरीशनाथ पांडेय, समाजसेवक अमित सोनी ने शुभकामना के साथ सदीक्षा भेंट की।

विश्व कल्याण हेतु गौ हत्या बंद हो: पूज्या गौरांगी गौरी

लाल शेखर सिंह/नाशिक (उत्तरशक्ति)। हिन्दी प्रसारिणी सभा नाशिक द्वारा आयोजित भव्य रामकथा में कथा व्यास पंडिता गौरांगी गौरी जी ने जब सती वियोग का प्रसंग सुनाया तो सभी श्रोता भाव विह्वल हो गए, वही जब शिव विवाह में जब शिव बारात का रोचक वर्णन हुआ और नारद-मैना संवाद से सभी के चेहरे पर मुस्कान उभर आयी !व्यासपीठ से गौरांगी गौरी ने गो महिमा गान करते हुए कहा कि, जहाँ गाय होती है वहाँ गोविंद वास करते हैं, गाय हमारी माता है इसलिए गायों का पालन संरक्षण करना हमारा परम कर्तव्य है। गोवध ही प्रलय का मूल है,इसलिए विश्व कल्याण की कल्पना को साकार करने के लिए गौ हत्या बंद होनी चाहिए। आज की आरती में निम्नलिखित गणमान्य लोगों को आरती करने का सौभाग्य मिला। के.सी. पांडे, शशि जाधव,शिवेंद्र सिंह, केजी सिंह, संतोष मिश्रा, ललित सिंह, प्रहलाद सिंह, राकेश दुबे काकू, विनोद यादव, गुलाब त्रिपाठी, राकेश सिंह, सोनू गुप्ता, के. के. तिवारी, तुषार भंदुरे, डॉक्टर शशांक पांडे इत्यादि।

पौष्टिक व्रत फ्रेंडली आहार: इस नवरात्रि की खास सामग्री

मुंबई/पटना। जैसे-जैसे नवरात्रि पास आती है, देशभर के परिवार व्रत की तैयारी करते हैं – यह परंपरा भक्ति और अनुशासन से जुड़ी हुई है। परंपरा के साथ-साथ, यदि व्रत में सही सामग्री का चयन किया जाए तो यह सेहत का भी सहारा बन सकता है। पोषण से भरपूर साबूदाना और कैलिफोर्निया बादाम जैसे विकल्प नवरात्रि के नौ दिनों में ऊर्जा बनाए रखने, पाचन को सहारा देने और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ाने में मदद करते हैं। व्रत को और अधिक सेहतमंद बनाने के लिए, मैक्स हेल्थकेयर की रीजनल हेड डायटेटिक्स, ऋतिका समद्दार अपने विशेषज्ञ सुझाव साझा करती हैं। वह ऐसे पौष्टिक तत्वों पर जोर देती हैं जो न केवल पारंपरिक व्रत रीति-रिवाजों का सम्मान करते हैं, बल्कि आधुनिक पोषण की आवश्यकताओं से भी मेल खाते हैं। उनका सुझाव है कि रिफाइंड शुगर और तली-भुनी चीजों से बचें और प्राकृतिक, संपूर्ण खाद्य पदार्थों पर ध्यान दें, जो उपवास के दौरान ऊर्जा और संपूर्ण स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद करते हैं।

स्वस्थ और पौष्टिक उपवास के लिए नवरात्रि के भोजन में इन सामग्रियों को शामिल करें: व्रत के लिए सबसे ज्यादा सुझाए जाने वाले आहारों में बादाम विशेष स्थान रखते हैं। इनमें प्रोटीन, हेल्दी फैट, विटामिन ए और मैग्नीशियम जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं, जो पेट भरे रखने, हृदय की सेहत का ख्याल रखने और ऊर्जा को बढ़ाने में मदद करते हैं। इन फायदों का पूरा लाभ उठाने के लिए दिन की शुरूआत कुछ भीगे हुए कैलिफोर्निया बादाम से करें, जो लंबे समय तक आपको ताजगी और संतुष्टि देंगे। नवरात्रि साबूदाना खिचड़ी या वड़ा के बिना अधूरी मानी जाती है।

महाराष्ट्र-आयोवा भागीदारी : कृषि, उद्योग, शिक्षा और ऊर्जा क्षेत्रों में खुलेगी नई संभावनाएं : मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र और अमेरिका के आयोवा राज्य के बीच हुई ऐतिहासिक भागीदारी से कृषि, अन्नझप्रसंस्करण, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल, अक्षय ऊर्जा, जैवझप्रौद्योगिकी और शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में सहयोग की नई राहें खुलेंगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में आयोवा की गवर्नर किम रेनॉल्ड्स की मौजूदगी में हुए इस समझौते (एम ओ यू) को राज्य के लिए ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह साझेदारी नवाचार को बढ़ावा देने के साथ-साथ किसानों, छात्रों, उद्यमियों और शोधकताओं के लिए नए अवसर खोलेगी। आयोवा को अमेरिका का फूड बास्केट कहा जाता है और यह कृषि एवं एग्रीटेक्नोलॉजी में अग्रणी है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि आयोवा की उन्नत तकनीक और अनुभव महाराष्ट्र की खेती में उत्पादन क्षमता और दक्षता को बढ़ाएंगे। उन्होंने बताया कि इस समझौते से कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित खेती, डिजिटलीकरण, कौशल विकास, जैव-प्रौद्योगिकी, अक्षय ऊर्जा और पायाभूत ढांचे में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोवा विश्वविद्यालय और महाराष्ट्र के कृषि व तकनीकी विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग से छात्रों और शोधकताओं को वैश्विक स्तर की शिक्षा और अनुसंधान सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों को और गति मिलेगी। आयोवा की गवर्नर किम रेनॉल्ड्स ने कहा, भारत के सबसे गतिशील राज्यों में से एक महाराष्ट्र के साथ भागीदारी करना हमारे लिए गर्व की बात है। यह समझौता नवाचार, आर्थिक समृद्धि और वैश्विक सहयोग को नई दिशा देगा। दोनों राज्यों के प्रतिनिधिमंडल हर वर्ष एक-दूसरे के दौरे करेंगे ताकि सहयोग को और मजबूत किया जा सके। समझौते से होने वाले लाभ में कृषि में उन्नत तकनीक और उपकरणों का उपयोग, जिससे उत्पादन क्षमता बढ़ेगी। अन्न प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा और निर्यात के अवसरों में वृद्धि। डिजिटल गवर्नेंस और स्मार्ट फार्मिंग के लिए नई तकनीक का इस्तेमाल। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, विशेषकर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में। व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास से रोजगार के नए अवसर। अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं से प्रदूषण में कमी और सतत विकास को गति। पर्यटन और खेल क्षेत्र में सांस्कृतिक आदान प्रदान और नए अवसर। औद्योगिक निवेश और अमेरिकाझभारत के बीच व्यापारिक संबंधों में वृद्धि। विश्वविद्यालयों और अनुसंधान केंद्रों के बीच सहयोग से विद्यार्थियों को वैश्विक अनुभव। महाराष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय पहचान और औद्योगिक-तकनीकी दर्जे में बढ़ोतरी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि यह समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक सहयोग और राज्यों की अंतरराष्ट्रीय भागीदारी के दृष्टिकोण के अनुरूप है और महाराष्ट्र की प्रगति को नई दिशा देगा।

विधायक सुलभा गायकवाड़ के मार्गदर्शन में कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। बिहार में कांग्रेस की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माँ को लेकर बनाए गए एआई वीडियो पर अब राजनीति गरमा गई है।

इस वीडियो के विरोध में भाजपा की ओर से प्रदर्शन किए जा रहे हैं। कल्याण पूर्व में भारतीय जनता पार्टी की तरफ से कांग्रेस पार्टी के खिलाफ विरोध आंदोलन किया गया। भाजपा की विधायक सुलभा गायकवाड़ और कल्याण जिला अध्यक्षा रेखा राजन चौधरी के नेतृत्व में महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ आंदोलन किया। आगे यदि कांग्रेस ने मोदीजी का अपमान किया तो भाजपा स्टाइल में करारा जवाब दिया जाएगा, ऐसा इशारा विधायक सुलभा गायकवाड़ ने दिया। इस मौके पर भाजप के अनेकों महिला और पुरुष पदाधिकारी मौजूद थे।

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की अध्यक्षता में आयोजित लोक दरबार को मिला जनता का उत्स्फूर्त प्रतिसाद

पालघर(उत्तरशक्ति)। वसई-विरार शहर महानगरपालिका मुख्यालय में परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की अध्यक्षता में लोक दरबार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सांसद राजेंद्र गावित, विधायक रविंद्र फाटक, महानगरपालिका आयुक्त मनोजकुमार सूर्यवंशी, अतिरिक्त आयुक्त संजय हेरवाडे, अतिरिक्त आयुक्त दीपक सावंत, पुलिस उपायुक्त सुहास बावचे समेत जिले के विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान जिले और महानगरपालिका स्तर पर ही शीघ्रता से हो, उन्हें अपनी शिकायतों के निवारण के लिए मंत्रालय या अन्य दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसी उद्देश्य से लोक दरबार का आयोजन किया गया है। वसई-विरार महानगरपालिका मुख्यालय में हुए इस लोक दरबार को नागरिकों का उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिला। शिकायतें दर्ज करने हेतु विभागवार कुल 20 टेबल लगाए गए थे। शुरूआत में नागरिकों को टोकन वितरित किए गए। इसके बाद परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने प्राप्त शिकायतों का संज्ञान लेकर संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई हेतु निर्देशित किया। इस लोक दरबार में कुल 320 शिकायत आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से कुछ का निवारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजते हुए मंत्री सरनाईक ने तय समयसीमा में निपटारा करने के आदेश दिए। कार्यक्रम के अंत में परिवहन मंत्री ने उपस्थित नागरिकों एवं पत्रकारों का आभार व्यक्त किया। राज्यगीत और राष्ट्रगीत के साथ लोक दरबार का समापन हुआ।

जनता की शिकायतों के तात्कालिक निवारण के दिए निर्देश

नालों पर बने बगीचे बने खतरे का कारण शेमल अजगिया ने की तत्काल कार्रवाई की मांग

नरेंद्र सोनी

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई-विरार शहर में सुरक्षा व्यवस्था की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। हाल ही में कृष्णा टाउनशिप क्षेत्र में नाले पर बना स्लैब गिरने की घटना ने स्थानीय नागरिकों को हिलाकर रख दिया। हालांकि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन यह घटना एक बड़े खतरे का संकेत मानी जा रही है। इस संदर्भ में भाजपा वसई रोड मंडल के माननीय सचिव शेमल अजगिया ने नगर प्रशासन को एक पत्र भेजकर डीजी नगर इलाके में नालों पर बने बगीचों को तत्काल बंद करने की माँग की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ₹इस बगीचे के नीचे का स्लैब बेहद कमजोर स्थिति में है, और यहाँ प्रतिदिन सैकड़ों नागरिक व बच्चे समय बिताने आते हैं। अगर त्वरित उपाय नहीं किए गए, तो यहाँ भी कृष्णा टाउनशिप जैसी दुर्घटना की आशंका बन सकती है। शेमल अजगिया ने यह भी प्रस्तावित किया कि बगीचे की स्थिति का स्वतंत्र ऑडिट कराया जाए और जब तक मरम्मत कार्य पूर्ण न हो, इसे आम जनता के लिए बंद रखा जाए।स्थानीय नागरिकों ने भी इस मांग का समर्थन करते हुए प्रशासन को चेतावनी दी है कि₹ अगर हालिया हादसे से कोई सबक नहीं लिया गया, तो भविष्य में होने वाली किसी भी दुर्घटना की पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि नगर प्रशासन इस गंभीर मांग पर क्या कदम उठाता है।

अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा द्वारा विरोध प्रदर्शन

वसई-विरार(उत्तरशक्ति)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता जी के संबंध में की गई कथित अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में भाजपा वसई-विरार शहर जिला महिला मोर्चा ने कड़ा विरोध दर्ज किया। यह विरोध प्रदर्शन भाजपा कार्यालय, नालासोपारा के पास आयोजित किया गया।

प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती चित्राताई वाघ के मार्गदर्शन में और जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञाताई पाटिल की प्रेरणा से महिला कार्यकताओं ने एकजुट होकर राहुल गांधी के अशिष्ट और अमानवीय व्यवहार की कड़ी निंदा की। विरोध प्रदर्शन में नालासोपारा विधानसभा के विधायक राजन अप्पा नाइक, भाजपा जिल्हा अध्यक्ष प्रज्ञाताई पाटिल, जिला कार्यकारिणी के सदस्य, विभिन्न मंडल अध्यक्षगण, महिला मोर्चा की वरिष्ठ पदाधिकारी अपर्णा पाटील, कल्पना नागपुडे, युवा मोर्चा पदाधिकारी और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। प्रदर्शन के दौरान महिला मोर्चा ने स्पष्ट रूप से कहा कि ₹हर कार्यकर्ता इस पतित राजनीति के खिलाफ डटकर लड़ेगी। महाराष्ट्र की जनता और मातृशक्ति का अपमान करने वालों को कभी माफ नहीं किया जाएगा। इस जन-आंदोलन के माध्यम से भाजपा महिला मोर्चा ने यह संदेश दिया कि वे मातृशक्ति के सम्मान की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेंगी और इस प्रकार की राजनीति का मुंहतोड़ जवाब देंगी।

भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की स्मृति में संगीतमय कार्यक्रम संपन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। प्रभादेवी स्थित रवींद्र नाट्य मंदिर के मुख्य सभागार में 12 सितम्बर को भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की स्मृति में याद-ए-बिस्मिल्लाह नामक भव्य संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रोतागण उपस्थित रहे। यादें बिस्मिल्लाह श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राज्य के सांस्कृतिक मंत्री, एडवोकेट आशीष शेलार , सुप्रसिद्ध बनारस घराने की गायिका, पद्मश्री डॉ सोमा घोष ने द मेमोरियल भारत रत्न बिस्मिल्लाह खां सम्मान तबला मार्तंड पद्मा श्री पंडित सुरेश तलवलकर को चांदी के शहनाई से किया। इस कार्यक्रम का आयोजन मधु मुरच?छना संस्था द्वारा किया गया था। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र सरकार के सांस्कृतिक कार्य मंत्री, विधायक एड. आशीष शेलार उपस्थित रहे। उनके साथ विशेष अतिथि के रूप में कवयित्री डॉ मंजू लोढ़ा, सदगुरु दयाल और भाजपा प्रवक्ता विनोद शेलार मंच पर मौजूद रहे। इस आयोजन में प्रमुख रूप से अभिनेता गौरव प्रतीक, श्रीमती मालती जैन कन्हैया लाल जोशी, संगीतकार और संगीत निर्देशक विवेक प्रकाश, समाज सेवक राजेश श्रीवास्तव, शारदा शर्मा, कवि संजय मिश्रा, संगीतकार सत्यम आनंद, प्रेम प्रकाश दुबे, शिवालया के प्रतीक उपाध्याय, इंडियन ऑयल के नितिन गुप्ता और संगीत निर्देशक विशाल शिलके उपस्थित रहे।

संगीत प्रस्तुतियों में बनारस घराने की प्रसिद्ध गायिका पद्मश्री डॉ. सोमा घोष ने अपनी मनमोहक गायन शैली से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसी क्रम में ओंकार अग्निहोत्री, अक्षरा व्यास और ऋषिकेश कर्मकार ने ट्रियो के रूप में अपनी प्रस्तुति दी। इनके साथ संगत पर नजीश जब्बार हुसैन खान, नवीन ओबेरॉय और राहुल मिलन रहे। कार्यक्रम में भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां पर आधारित एक डॉक्यू-ड्रामा भी प्रस्तुत किया गया, जिसका निर्देशन शुभांकर घोष ने किया। संचालन आनंद सिंह ने संभाला। यह कार्यक्रम भारतरत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की स्मृति में किया गया, जिसमें उनके योगदान को याद करके सभी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कमला देवी कॉलेज और जेएसएस फाउंडेशन का प्रारम्भ इवेंट संपन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। विठलवाड़ी स्थित कमलादेवी कॉलेज ऑफ आर्ट्स कॉमर्स एंड साइंस तथा जेएसएस फाउंडेशन के सयुक्त तत्वाधन में आयोजित दो दिवसीय इंटर कॉलेज इवेंट प्रारम्भ के समापन समारोह में प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अनीता पारदेशी सिटी इंजीनियर, केडीएमसी, विशेष अतिथि भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय पाठक तथा जेएसएस फाउंडेशन के चेयरमैन जे पी तिवारी, कमलदेवी एजुकेशन ट्रस्ट के चेयरमैन सदानंद तिवारी, बृजेश दीक्षित, जेएसएस फाउंडेशन के सचिव शैलेश तिवारी उपस्थित रहे।

अनीता पारदेशी ने जीवन में संघर्ष के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि कठिनाइयाँ ही हमें मजबूत बनाती हैं और सफलता की राह दिखाती हैं। वही भाजपा प्रवक्ता अजय पाठक ने छात्रों का उत्साह वर्धन करते हुए उन्हें कठिन परिश्रम के साथ ही मोबाइल पर काम समय व्यतीत करने का सुझाव दिया। सफलता के लिए कठिन परिश्रम के साथ ही स्मार्ट वर्क का सुझाव दिया गया। इस प्रतियोगिता के कई विजेता रहे, उनमें प्रतीक बचाव (साकेत कॉलेज), अंश गुप्ता (वेदांत कॉलेज), श्वेता प्रजापति (कमलादेवी कॉलेज), रितिका गुप्ता (कमलादेवी कॉलेज), निनाद पाठक (बिर्ला कॉलेज), आर्यन कानेकर (मॉडल कॉलेज, डोंबिवली), आर्यन कुंभार (महाराणा प्रताप कॉलेज, कुर्ला) शामिल हैं। प्रतियोगिता में फ्री हैंड पेंटिंग, फ्लायर मेकिंग, ऐड मेकिंग, इको-फ्रेंडली रंगोली, शतरंज और कैरम जैसी स्पधाओं ने छात्रों की रचनात्मकता और बौद्धिक क्षमता को उजागर किया। आयोजन में श्वेता पांडे (कोषाध्यक्ष, कमलादेवी एजुकेशनल ट्रस्ट) तथा डॉ. सिम्मी सिंह (प्राचार्य, कमलादेवी कॉलेज ऑफ आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस) भी मंच पर उपस्थित रहीं। डॉ. सिम्मी सिंह ने अपने मार्गदर्शन में छात्रों को शिक्षा और कौशल दोनों को जीवन में समान महत्व देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि आज की प्रतिस्पर्धा भरी दुनिया में केवल पढ़ाई ही नहीं बल्कि विभिन्न कौशल भी विद्यार्थियों को सफलता दिला सकते हैं। अधीक्षक सचिन चौधरी ने व्यवस्थापन तथा मंच संचालन शिवनी राणे ने किया आयोजन के अंत में चेयरमैन सदानंद तिवारी ने सभी का आभार प्रगट किया।

गुमशुदा की तलाश

आयुष प्रजापति उम्र 14 वर्ष रंग सांवला हाइट 5 फीट, गत 9 सितंबर 2025 को वसई ईस्ट स्थित जयनगर वालीव से शाम 6:00 बजे अपने घर के पास से अचानक गायब हो गया है। बच्चे के पिता का नाम रामभरोस प्रजापति है। यदि किसी सज्जन को उक्त बच्चे के संबंध में जानकारी मिलती है तो वह निम्न फोन नंबर पर संपर्क कर जानकारी देने का कष्ट करें। उसे उचित इनाम दिया जाएगा। संपर्क नंबर- **9637065873, 9975985518**

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

अपने सपनों पर रखे विश्वास, मेहनत से निश्चित है सफलता: कुलपति

महिला छात्रावास में कुलपति ने छात्राओं को दिया जीवन जीने का मंत्र

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस सप्ताह के अंतर्गत आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए सबसे जरूरी है कि अपने ऊपर विश्वास रखें। विद्यार्थी विश्वविद्यालय अपने सपनों को पूरा करने आए हैं। इसलिए लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर परिश्रम करें। कल क्या होगा। उसकी चिंता में आज के सुनहरे अवसर को ना गवाएं। अपने लक्ष्य के लिए सकारात्मक सोच के साथ निरंतर मेहनत करते रहे।

कुलपति प्रो. वंदना सिंह शुक्रवार को विश्वविद्यालय के द्रोपदी छात्रावास में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस सप्ताह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने छात्राओं को जीवन जीने का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर सफलता की पहली शर्त है। इसके लिए नियमित दिनचर्या का पालन करें। समय से भोजन करें, पढ़ाई करें और सोएं। जैविक घड़ी (बायोलॉजिकल क्लॉक) के अनुरूप काम करना जरूरी है। प्राणायाम से मन शांत होता है। देर रात तक जागना बहुत बड़ी समस्या है, इससे बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि अच्छा आचरण, माता-पिता और गुरुजनों का सम्मान तथा सकारात्मक सोच इंसान को आगे बढ़ाती है। इंसान सकारात्मक मानसिकता के साथ सब कुछ कर सकता है। विद्यार्थियों को खेलकूद में भाग लेना चाहिए और अच्छे संबंध बनाने चाहिए। उन्होंने समय की पाबंदी और कार्य के प्रति अनुशासन को भी सफलता की कुंजी बताया। वैलनेस सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. अन्नू त्यागी ने कहा कि जीवन में सबके लिए खुशियों के मायने और कारण अलग-अलग होते हैं। अपने जीवन में खुशियों को आने दें तभी सुकून मिल सकता है।छात्रावास की वार्डन पूजा सक्सेना ने आभार व्यक्त किया। संकाय भवन के कांफ्रेंस हॉल में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर पोस्टर निर्मित किए।

एसडीएम ने मारा छापा, अवैध रूप से काटे जा रहे थे सागवन के पेड़

बक्शा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एसडीएम सदर ने मारा छापा बिना परमिशन अवैध रूप से काटे जा रहे थे सागवन के पेड़। स्थानीय थाना क्षेत्र के उतरेजपुर गांव निवासी रामअधार यादव पुत्र मटरु यादव के भूमि पर सागवन पेड़ लगें हुए थे। क्षेत्र में भ्रमण कर रहे सदर एसडीएम संतबीर सिंह ने रास्ते से गुजर रहे थे तभी देखे मनमाने तरीके से पेड़ काटे जा रहे थे। सदर एसडीएम संतबीर सिंह ने तत्काल गाड़ी रोकवा कर अवैध रूप से काटे जा रहे। सागवन पेड़ को रोकवा दिया। और तत्काल स्थानीय थाना बख्शा को सूचना दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक बृजेश मिश्रा, हेड कांस्टेबल शिव प्रसाद यादव, अंकुश यादव, राकेश कुमार ने पेड़ कटवा रहे मेठ महेंद्र निषाद पुत्र राम बहादुर निषाद और पिकअप वाहन चालक विनोद निषाद पुत्र राम अचल निषाद निवासी रामनगर हरईपुर थाना सुजानगंज को पिकअप गाड़ी सहित पेड़ काट रहे अन्य लोगों को मौके पर पकड़ लिया। महेंद्र निषाद ने बताया कि अमर सिंह निवासी उमरछा ठेकेदार हैं। जिनके कहने पर पेड़ कटवा रहे थे।एसडीएम सदर ने अवैध रूप से काटे जा रहे पेड़ के बारे तत्काल वन विभाग को सूचना दिया। सूचना मिलते ही वन विभाग के डा0 रीता तिवारी आरो,बक्श राजनाथ यादव सहित अन्य वन विभाग कर्मियों ने मौके पर पहुंच। अवैध रूप से काटे जा रहे सागवन पेड़ को कब्जे में ले लिया। खेत में कुल 37 पेड़ सागवन का लगा हुआ था। जिसमें से 26 पेड़ काटे जा चुके थे बाकी शेष पेड़ सागवन का बचा हुआ था। सागवन पेड़ बिना परमिशन से काटे जा रहे थे। सम्बन्धित अधिकारियों ने जांच पड़ताल कर आवश्यक कार्यवाही करना शुरू कर दिया है।

मेडिकल कालेज में स्वर्गीय उमानाथ सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मेडिकल कालेज जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो.डा.आर.बी. कमल के नेतृत्व में 13 सितम्बर, 2025 को वीर भूमि जौनपुर के कर्मठ, समाजसेवी एवं शिक्षाप्रेमी स्व. उमानाथ सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर मेडिकल कॉलेज जौनपुर में एक श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों एवं उपस्थित अतिथियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का शुभारम्भ पुष्प अर्पण के साथ हुआ। कॉलेज के प्रधानाचार्य ने स्व. उमानाथ सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे न केवल एक उच्चकोटि के समाजसेवी थे बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और समाजोत्थान के लिए निरंतर समर्पित रहे। उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। उपस्थित चिकित्सा शिक्षकों ने कहा कि स्व. उमानाथ सिंह का जीवन आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने समाज में शिक्षा और सेवा की जो नींव रखी, उसे आगे बढ़ाना हम सबका दायित्व है। उनका जीवन इस बात का प्रतीक है कि सच्ची सेवा वही है जो समाज के निचले तबके तक पहुँचे। कार्यक्रम के अन्त में उपस्थित चिकित्सा शिक्षक एवं अन्य अतिथियों द्वारा स्व. उमानाथ सिंह के आदर्शों को आत्मसात कर समाज की सेवा करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षक प्रो० डा० रूचिरा सेठी, प्रो० डा० आशीष यादव, प्रो० डा० भारती यादव, डा० ले०क० सी०बी०एस० पटेल, डा० विनोद कुमार, डा० अरविन्द पटेल, डा० सरिता पाण्डेय, डा० चन्द्रभान, डा० अचल सिंह, डा० आदर्श कुमार यादव, डा० आशुतोष सिंह, डा० प्रियंका, डा० अर्चना, डा० संजीव यादव, डा० रोहित सरोज, डा० नाजिया नन्न, डा० आशीष गुप्ता, डा० अनुज सिंह, डा० नवीन सिंह, डा० अनिल कुमार, डा० जयंत शर्मा, डा० संदीप सिंह एवं अन्य चिकित्सा शिक्षक व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

78 साल बाद विवादित शाहपुर–नेवादा चकमार्ग का निर्माण शुरू

ग्राम प्रधान ने भी उठाया फावड़ा, मनरेगा मजदूरों के साथ कर रहे श्रमदान

रियाजुल हक

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आजादी के 78 वर्षों बाद आखिरकार वह सपना साकार हो रहा है, जिसका इंतजार शाहपुर नेवादा समेत कई गांवों के लोग दशकों से कर रहे थे। ग्राम प्रधान धर्मेन्द्र सिंह के अथक प्रयासों और मजबूत इच्छाशक्ति के चलते वर्षों से विवादों में उलझा शाहपुर-नेवादा चकमार्ग अब निमार्णाधीन है।यह वही रास्ता है जिसे कुछ शरारती तत्वों ने व्यक्तिगत भूमि बताकर बार-बार निर्माण कार्य रुकवाया। लंबे समय तक विवादों और झूठे दावों के कारण यह चक मार्ग केवल कागजों में ही बना रहा। लेकिन ग्राम प्रधान धर्मेन्द्र सिंह ने हार नहीं मानी। उन्होंने लगातार राजस्व विभाग से लेकर पंचायत तक, हर स्तर पर पैरवी की और आखिरकार सभी शिकायतें और आपत्तियों के निस्तारण के बाद मार्ग निर्माण को हरी झंडी मिल गई। ग्राम प्रधान न सिर्फ आदेश करवाने तक सीमित रहे, बल्कि जब निर्माण शुरू हुआ, तो खुद फावड़ा उठाकर मनरेगा मजदूरों के साथ श्रमदान करते नजर आए। यह नजारा ग्रामीणों के लिए प्रेरणास्रोत बना और गांव में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। यह चकमार्ग न सिर्फ शाहपुर और नेवादा को जोड़ता है, बल्कि इससे आसपास के दो अन्य गांवों को भी सीधा रास्ता मिलेगा। अब बरसात हो या सूखा, ग्रामीणों को आने-जाने के लिए कीचड़ और पगडंडियों की जगह एक मजबूत रास्ता मिलेगा। जैसे ही निर्माण कार्य शुरू हुआ, गांव में हर्षोल्लास का माहौल बन गया। ग्रामीण शिवमंगल राजेश पुल्लूराम रामलगन विकास आदि ने बताया कि यह मार्ग कोल्हुआ, विलासन, रसिकापुर रमदेईया नेवादा आदि कई गांवो को जोड़ता है इस मार्ग निर्माण से सैकडो आवादी वाली दलित वस्ती का आवागमन आसान हुआ ये सिर्फ मिट्टी का रास्ता नहीं, बल्कि ग्राम विकास का प्रतीक बन चुका है।

जौनपुर के बीएसए गोरखनाथ पटेल के ट्रांसफर की अफवाह, बोले- सूची फर्जी, कार्रवाई होगी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले में बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) गोरखनाथ पटेल के ट्रांसफर की अफवाह फैलाने वालों पर अब कानूनी कार्रवाई होगी। बीते दिन से सोशल मीडिया और कुछ पोर्टलों पर उनके तबादले की फर्जी सूची वायरल की जा रही थी, जिसे लेकर जिलेभर में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई थीं। बीएसए गोरखनाथ पटेल ने स्पष्ट किया कि ट्रांसफर को लेकर जो भी खबरें चलाई जा रही हैं, वे पूरी तरह से निराधार हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग की ओर से इस तरह की कोई भी सूची जारी नहीं की गई है। वायरल हो रही सूची फर्जी है और केवल भ्रम फैलाने के उद्देश्य से प्रसारित की जा रही है। बीएसए ने बताया कि इस मामले को गंभीरता से लिया गया है और जिन लोगों ने बिना सत्यापन के फर्जी सूची बनाकर प्रसारित की है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को पत्र भी भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई ही भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोक सकेगी। साथ ही उन्होंने शिक्षकों व अभिभावकों से अपील की कि वे केवल विभाग की आधिकारिक वेबसाइट और नोटिस पर ही भरोसा करें।

दस बच्चों को साइंस ओलंपियाड में हरिप्रभा वेलनेस ट्रस्ट ने कराया पंजीकरण

उत्तर प्रदेश के इतिहास में पहली बार सरकारी विद्यालय के छात्र होंगे साइंस ओलंपियाड में शामिल

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजसेवा में जिले की अग्रणी सेवा संस्थान हरिप्रभा वेलनेस ट्रस्ट ग्राम कोदहूं द्वारा शिक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए । शनिवार को जिले के मुंगराबादशाहपुर के ग्राम कोदहूं स्थित प्राथमिक विद्यालय के 10 मेघावी छात्रों का साइंस ओलंपियाड प्रतियोगिता हेतु पंजीकरण करवाया। संस्थान के डायरेक्टर व स्वास्थ्य सलाहकार डॉ. सुधाकर दुबे ने बताया कि यह उत्तर प्रदेश में पहली बार हो रहा है कि सरकारी विद्यालय के छात्र इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में शामिल होंगे। इस पहल में शिक्षा विभाग के अधिकारियों और विद्यालय प्रबंधन का मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त हुआ। हरिप्रभा वेलनेस ट्रस्ट के सचिव ने कहा ह्लहमारा उद्देश्य है कि सरकारी विद्यालयों के बच्चों की प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले और उसे दिलाने की दिशा में यह पहला कदम है।

ट्रस्ट ने सभी छात्रों का पंजीकरण शुल्क वहन कर यह सुनिश्चित किया कि किसी भी प्रतिभावान बच्चे के सपने आर्थिक कारणों से अधूरे न रह जाएं। इस उपलब्धि को लेकर विद्यालय परिवार और छात्र-छात्राओं में उत्साह का माहौल है।

पीएम ई विद्या कार्यक्रम में प्रीति श्रीवास्तव का चयन

देश के राष्ट्रीय चैनल दूरदर्शन पर बच्चों को पढ़ाएंगी प्रीति श्रीवास्तव

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा समग्र शिक्षा अभियान के तहत वर्ष 2025-26 हेतु पी एम ई विद्या कार्यक्रम के अन्तर्गत डीटीएच टीवी चैनलों के प्रसारण के लिए शैक्षिक वीडियो सामग्री अर्थात डिजिटल कंटेंट का विकास किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में वीडियो निर्माण हेतु संपूर्ण उत्तर प्रदेश से योग्य और प्रतिभाशाली शिक्षकों को आमंत्रित किया गया है। इसका कार्यशाला में वीडियोशूट हेतु जौनपुर से कंपोजिट विद्यालय रन्नो बक्शा की राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका प्रीति श्रीवास्तव का चयन हुआ है । गौरतलब है कि अपनी प्रतिभा के बल पर राज्य पुरस्कृत शिक्षिका प्रीति श्रीवास्तव ने देश और प्रदेश स्तर पर कई उपलब्धियां हासिल की हैं और जनपद जौनपुर का मस्तक ऊंचा किया है।

अब्दुल अजीज अंसारी डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों को मिला टैबलेट

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत छात्रों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से शनिवार को अब्दुल अजीज अंसारी डिग्री कॉलेज, मजडीहा में टैबलेट वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बीए, बीएससी और बीएड के कुल 70 विद्यार्थियों को टैबलेट प्रदान किए गए। महाविद्यालय की प्रबंधक कहकशां खान ने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल माध्यम शिक्षा का सबसे प्रभावी साधन बन चुका है। टैबलेट मिलने से विद्यार्थियों को न केवल ऑनलाइन अध्ययन सामग्री तक पहुंच आसान होगी, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी सरल हो जाएगी। कॉलेज के प्राचार्य एन.पी. उपाध्याय ने बताया कि शासन द्वारा प्रदत्त टैबलेट का वितरण प्रत्येक वर्ष किया जाता है। यह छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सार्थक पहल है। उन्होंने कहा कि इस योजना से कॉलेज के मेधावी और जरूरतमंद विद्यार्थियों को विशेष लाभ मिलेगा। इस अवसर पर प्राचार्य आमिर सिद्दीकी, डॉ. सलीम खान, डॉ. तस्नीमा, डॉ. इंदुलता, प्रधानाचार्य प्रशांत पाठक, प्रधानाचार्य नौशाद खान, प्रशांत श्रीवास्तव, शाकिब समेत अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

मजदूर सभा के जिला महासचिव मंजय कनौजिया की स्मृति में हुई श्रद्धांजलि सभा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शनिवार को हुसेनाबाद स्थित अर्जुन भवन में समाजवादी मजदूर सभा के जिला महासचिव स्वर्गीय मंजय कनौजिया की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा संपन्न हुई। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता समाजवादी मजदूर सभा जौनपुर के जिला अध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा ने की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता, पदाधिकारी, श्रमिक साथी, विभिन्न राजनीतिक-सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधिगण और उनके परिजन उपस्थित रहे। अमित यादव राष्ट्रीय महासचिव समाजवादी मजदूर सभा ने स्व. मंजय कनौजिया जी के संघर्षशील जीवन, समाजवादी आंदोलन के प्रति उनकी निष्ठा तथा मजदूरों की आवाज को बुलंद करने में उनके योगदान को भावपूर्ण शब्दों में याद किया। सभी ने एक स्वर में यह संकल्प लिया कि स्व. कनौजिया जी के अधूरे सपनों और संघर्षों को आगे बढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।सीमा खान, विशाल कन्नौजिया, रमाशंकर चौहान, वीरेंद्र यादव, संजय कन्नौजिया, इंद्रेश यादव, अखिलेश यादव, सादिक अली, शनि, लकी, योगेन्द्र यादव, चंद्रभूषण यादव इत्यादि लोगों ने उपस्थित होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

जलालपुर में महेंद्र नाथ पांडेय का हुआ स्वागत

जलालपुर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वाराणसी से जौनपुर जाते समय पूर्व केंद्रीय मंत्री पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा डॉ.महेंद्र नाथ पांडेय का जलालपुर में जिलाध्यक्ष भाजपा मछलीशहर डॉ अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। डॉ महेंद्र नाथ पांडेय जौनपुर के टीडी कॉलेज में शहीद उमानाथ सिंह की पुण्यतिथि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित होने जा रहे थे। जलालपुर चौराहे पर पहुंचते ही पहले से उपस्थित कार्यकताओं ने बैन्ड बाजे के साथ उनका माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष पंकज सिंह, राजेश सोनकर, संदीप सिंह, जटाशंकर सिंह, गुरुचरण सोनकर, श्रवण गुप्ता, रामलाल मौर्या, स्कन्द पटेल, अभिषेक सिंह, विपिन सिंह, धनंजय कश्यप, अनिल सिंह, रणविजय सिंह, सुशील निषाद, धीरेन्द्र सिंह, विपिन मिश्रा, मांधाता पांडेय, विशाल सिंह, सौरभ गुप्ता, किशन सिंह, राजेश यादव, भैयालाल सरोज, अवधेश पटेल, आशुतोष दुबे, रजनीश सिंह, प्रभाकर सिंह, भुवनेश चंद्र चौबे, संजय सिंह, सुरेश सरोज आदि उपस्थित रहे।

थाना समाधान दिवस का हुआ आयोजन

संबंधित अधिकारियों द्वारा लोगों की शिकायतों का किया गया निस्तारण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शनिवार को जनपद के समस्त थानों में थाना समाधान दिवस का आयोजन हुआ। जहां संबंधित अधिकारियों के द्वारा लोगों की शिकायतों को सुना गया। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा जनपद के थाना कोतवाली पर जाकर शिकायतों का समाधान किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी के समक्ष भूमि पर अवैध कब्जा, मार्ग से संबंधित और पैमाईश आदि से संबंधित शिकायते प्राप्त हुई जिसपर जिलाधिकारी द्वारा शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि थाना समाधान दिवस में जमीन विवादों की शिकायतों को सूचीबद्ध कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जाकर बिना किसी पक्षपात के शिकायतों का समयावधि के अंदर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराए। जिससे कि फरियादियों को बार-बार अपनी शिकायत को लेकर इधर-उधर भटकना न पड़े। इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा थाने का निरीक्षण भी किया गया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी द्वारा जनरल डायरी और सीसीटीएनएस सहित अन्य दस्तावेजों के संबंध में जानकारी लेते हुए कंप्यूटर सिस्टम पर इसका अवलोकन भी किया गया। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट इंद्र नन्दन सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

पेड़ से लटकता मिला अधेड़ का शव, मचा हड़कंप

हत्या या आत्महत्या के बीच उलझी पुलिस

जलालपुर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के पूरेंव गांव में शनिवार की सुबह डीह बाबा मंदिर के समीप नाले के पास गमछे के सहारे आम के पेड़ से लटकता एक अधेड़ का शव पाये जाने से क्षेत्र में हड़कम्प मच गया । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज कर विधिक कार्यवाही में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूरेंव गांव बैदा निवासी अशोक बाबा के बड़े भाई शिवकुमार राजभर उम्र लगभग 60 वर्ष का शव घर से लगभग 600 मीटर दूर डीह बाबा मंदिर के पास नाले की समीप गमछे के सहारे आम के पेड़ से लटकता दिखा ,शव पाए जाने से क्षेत्र में हड़कंम्प मच गया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज कर जांच पड़ताल में जुट गई है।

आईटीआई कलांपुर में निःशुल्क टैबलेट का हुआ वितरण

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राज्य सरकार की डिजिटल शिक्षा योजना के अंतर्गत शनिवार को नवाब हुसैन आईटीआई, कलांपुर में विद्यार्थियों को निःशुल्क टैबलेट वितरित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन आईटीआई परिसर में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में हुसैन नासिर व विशिष्ट अतिथि के रूप में जौहर अब्बास उपस्थित रहे। टैबलेट वितरण के दौरान हुसैन नासिर ने कहा कि सरकार का उद्देश्य तकनीकी शिक्षा को डिजिटल साधनों से जोड़ना है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राएं भी आधुनिक तकनीक से कदमताल कर सकें। वही कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जौहर अब्बास ने कहा कि टैबलेट मिलने से विद्यार्थियों को ऑनलाइन अध्ययन, ई-बुक्स पढ़ने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में आसानी होगी। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं में गहरी उत्सुकता और उत्साह देखने को मिला। टैबलेट पाकर विद्यार्थियों ने सरकार व संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर मंजूर मेंहदी, अनुदेशक सत्येन्द्र कुमार यादव, लालचन्द्र यादव, विनोद राजभर समेत आदि लोग उपस्थित रहे। अंत में प्रधानाचार्य सैयद हसीब हैदर ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

उपमुख्यमंत्री का आगमन आज तैयारियां पूरी, सज-धज कर तैयार शाहिद देवशरण सिंह स्मारक

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज आज मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी महाराजगंज की बंगरा गांव में नौ निर्मित शहीद देवशरण सिंह नया भवन का उद्घाटन कर जनता जनार्दन के लिए लोकार्पण करेंगे । अब जनता को कोई कार्यक्रम कराने या मुख्य अतिथियों को ठहरने में कोई दिक्कत नहीं होगी। उप मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश के अन्य नेता भी उद्घाटन में शामिल होंगे। महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने उपमुख्यमंत्री के स्वागत में कोई कमी नहीं रहे इसके लिए स्थानीय लोगों की कमेटी बनाकर खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं। भाजपा सांसद सीग्रीवाल ने बताया कि मंत्री व अन्य सम्मानित लोगो नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। साथ हीं लोकार्पण किया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था के निमित्त बैरिकेटिग का कार्य पूरा हो चुका है। आयोजक व पुलिस प्रशासन ने हैलीपैड का निरीक्षण भी कर लिया है। सीवान के डीएम एसपी खुद व्यवस्था स्थल का मॉनिटरिंग कर रहे हैं। महाराजगंज की एसडीओ अनिता कुमारी ने देर रात तक कार्यक्रम स्थल का मुआयना करती रही। सीओ जितेंद्र कुमार पासवान अपने लव लश्कर के साथ कार्यक्रम स्थल पर तैयारी में लगे हुए हैं।

सड़क दुर्घटना के सर्वाधिक 108 मुकदमों के निस्तारण का बना रिकॉर्ड पीड़ित परिवारों को मिलेगी 8.13 करोड रुपए क्षतिपूर्ति

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल जज मनोज कुमार अग्रवाल द्वारा अब तक के सर्वाधिक 108 मामलों का निस्तारण कराया गया जिसमें पीड़ित परिवारों को करोड रुपए क्षतिपूर्ति मिलेगी।पीड़ित/याचीगण की ओर से सर्वाधिक 29 मुकदमों का निस्तारण अधिवक्ता हिमांशु श्रीवास्तव द्वारा कराया गया इसमें पीड़ित परिवारों को 2.08 करोड रुपए क्षतिपूर्ति मिलेगी।विपक्षी बीमा कंपनी की ओर से अधिवक्ता विवेक श्रीवास्तव द्वारा एक मुकदमे में अधिकतम 48 लाख रुपए क्षतिपूर्ति दिलाई गई। न्यायाधीश मनोज कुमार ने कहा कि दुर्घटना में उजड़े परिवारों को जल्द से जल्द, ज्यादा से ज्यादा क्षतिपूर्ति दिलवा कर अधिकरण उनके जख्मों पर मरहम लगाने का कार्य करती है।यही लोक अदालत का उद्देश्य है।इस लोक अदालत में दोनों पक्ष के अधिवक्ताओं द्वारा किए गए सहयोग की सराहना की गई। निस्तारण में अधिवक्ता कृपा शंकर श्रीवास्तव, वीरेंद्र सिन्हा,ज्ञान प्रकाश सिंह,दिलीप श्रीवास्तव, सूर्य प्रकाश सिंह,एके सिंह, प्रवीण मोहन श्रीवास्तव, रविंद्र विक्रम सिंह, घनश्याम ओझा, बृजेश निषाद, राणा प्रताप सिंह, सूर्यमणि पांडेय, नीलेश निषाद,अवधेश यादव,रत्नेश अस्थाना, शैलेश यादव, अरविंद अग्रहरि,अंकित सिंह,संतोष सोनकर, जेसी पांडेय, सनी यादव,सूर्यभान चौहान, सोभनाथ यादव, निलेश यादव, के के शर्मा,बृजेंद्र, शाहबाज,शादाब, ईश्वर यादव,जयप्रकाश पटेल, रवि श्रीवास्तव आदि का योगदान सराहनीय रहा।

दुर्घटना के 3 माह में ही निस्तारण,मिलेगी 18.50 लाख रुपए क्षतिपूर्ति

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सड़क दुर्घटना के मामले में मात्र तीन माह में ही लोक अदालत में आपसी सहमति के आधार पर मुकदमे का निस्तारण हुआ। 3 जून 2025 को मोहित यादव अपने चाचा अमला प्रसाद(55 वर्ष)के साथ बाइक से बाजार जा रहा था। पतहना मोड़ के पास ट्रेलर चालर की लापरवाही से दुर्घटना हो गई थी जिसमें चाचा भतीजा की मौके पर ही मौत हो गई थी। दोनों मृतकों के परिजनों ने अधिवक्ता हिमांशु श्रीवास्तव व रत्नेश अस्थाना के माध्यम से क्षतिपूर्ति का मुकदमा दाखिल किया था। दोनों पक्षों की सहमति से टेलर की बीमा कंपनी 18.50 लाख रुपए क्षतपूर्ति देने के लिए सहमत हुई और मामले का निस्तारण हुआ।

यूपी के प्रतागढ़ में महिला ने अपने खून से सीएम योगी को लिखा पत्र, कहा मेरा पति वापस दिलाइये

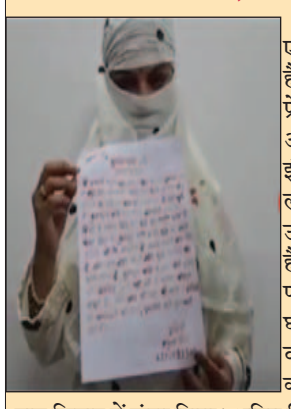

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। प्रतापगढ़ से एक हैरान करने वाली घटनासामने आई है। यहां एक महिला ने पति और उसकी प्रेमिका से तंग आकर सीएम योगी आदित्यनाथ को खून से पत्र लिखकर इंसाफ की मांग की है। महिला ने आरोप लगाया कि दूसरे समुदाय की युवती ने उसके पति को प्रेमजाल में फंसा लिया है। पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि पति और प्रेमिका ने महिला को पीटा और घर से निकाल दिया। प्रतापगढ़ की रहने वाली महिला का दावा है कि रायबरेली की महिला ने उनके पति अमित सिंह को लव जिहाद में फंसा लिया। अमित सिंह ने युवती को काफी पैसे दिए है। वो औरत अधिकार से घर मे आती है और रहती है, उसका दवा है कि उसे घर से निकाल दिया है। युवती के पति और उनके पिता को सारी बात पता है लेकिन वो लोग कुछ नही करते है। सीओ सदर अमित सिंह ने बताया कि दंपती के बीच आपसी विवाद चल रहा है। महिला ने पति के खिलाफ काफी पहले एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसमें चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। इस समय मामला कोर्ट में विचाराधीन है। एक सप्ताह पहले पति ने भी पत्नी के खिलाफ फर्जी तरीके से परेशान करने केस दर्ज कराया है। मामले की जांच कराई जा रही है।

कलेक्ट्रेट परिसर से वृद्ध की साइकिल चोरी, उपजिलाधिकारी ने दिलाई नई साइकिल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना लाइन बाजार के कुंवरदा गांव निवासी रामजैन यादव पुत्र स्वर्गीय बाबूराम यादव किसी कार्य से कलेक्ट्रेट परिसर आज आए हुए थे। लगभग 11 बजे उनकी साइकिल चोरी हो गई। अचानक साइकिल चोरी होने से बुजुर्ग रामजैन यादव काफी परेशान हो गए और बेबस नजर आने लगे। इसी दौरान मामला एसडीएम जौनपुर संतवीर सिंह के संज्ञान में आया। उन्होंने तुरंत मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अपने मातहतों को निर्देश दिया कि बुजुर्ग को नई साइकिल उपलब्ध कराई जाए। आदेश मिलते ही साइकिल की दुकान ओलन्दगंज से तुरंत नई साइकिल मंगवाई गई और उसे रामजैन यादव को सौंप दिया गया। नई साइकिल मिलते ही बुजुर्ग के चेहरे पर खुशी झलक उठी। उनकी मुस्कान देखकर मौजूद लोग भी भावुक हो गए। इस अनोखी पहल की पूरे क्षेत्र में चर्चा हो रही है और लोग एसडीएम के इस कार्य की सराहना कर रहे हैं।

बखरिहवा बीजपुर सड़क मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त होने से हो रहे है सड़क हादसे

लोड हाइवा पलटा,हादसे बाल-बाल बचे चालक और खलासी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। बीजपुर थाना क्षेत्र के चेतवा में शनिवार को एक राखड़ लोड हाइवा चढ़ाई चढ़ते समय अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत रही कि हादसे में चालक और खलासी बाल-बाल बच गए। जानकारी के अनुसार शनिवार को एनटीपीसी रिहंद के राख बंधे से राखड़ लोड कर एक हाइवा चंदौली जा रहा था। इसी दौरान बखरिहवा बीजपुर सड़क मार्ग पूरी तरह से खराब होने के कारण चेतवा के पास पुलिया के ऊपर चढ़ाई होने की वजह से हाइवा चढ़ाई नहीं चढ़ पाया व बैक होकर पलट गया। हाइवा पलटते ही पुल के पास राखड़ का ढेर लग गया। घटना के बाद मौके पर जुटी भीड़ ने गाड़ी के केबिन से चालक व खलासी को बाहर निकाला। हादसे में नमामि गंगे जलकल फीडर की 11 हजार की लाइन का एक पोल टूट कर तार सहित सड़क पर बिखर गया। ग्रामीणों की सूचना पर बिजली सप्लाई बंद कराई गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि रोड तो खराब है ही राख परिवहन मे लगी गाड़िया क्षमता से अधिक राख लेकर चलती हैं जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है।

ट्राइटन वाल्व्स ने अपने 50 साल पूरे होने का जश्न मनाया

मुंबई। ट्राइटन वाल्व्स लिमिटेड, भारत की ऑटोमोटिव टायर वाल्व की सबसे बड़ी निमार्ता कंपनी और दुनिया भर के उद्योगों की एक प्रमुख इंजीनियरिंग पार्टनर, ने 10 सितंबर, 2025 को मैसूर हॉल, आईटीसी गार्डेनिया, बेंगलुरु में एक भव्य समारोह के साथ अपनी 50वीं वर्षगांठ मनाई। यह आयोजन पांच दशकों की बेहतरीन उत्कृष्टता, नवाचार और दृढ़ता का प्रतीक था। इसमें ऑटोमोटिव क्षेत्र के प्रमुख गणमान्य व्यक्ति, भागीदार और उद्योग जगत के नेताओं ने भाग लिया। इस गौरवशाली संध्या में महामहिम यदुवीर कृष्णदत्त चामराज वाडियार मैसूर के महाराजा, ,नंदन नीलेकणी इंफोसिस के सह-संस्थापक और अध्यक्ष, और ,स्वप्निल जैन, एथर एनर्जी के सह-संस्थापक की गरिमामयी उपस्थिति रही, साथ ही उद्योग जगत के नेता, भागीदार और कर्मचारी भी शामिल हुए। शाम की शुरूआत ऑटोमोटिव नवाचार के पांच दशकों की एक अविस्मरणीय यात्रा के साथ हुई।

शाम का मुख्य आकर्षण मैसूर के महाराजा महामहिम यदुवीर कृष्णदत्त चामराज वाडियारका शाही समर्थन था, जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से पुस्तक की लेखिका रूपा पाई के साथ स्मारक पुस्तक कोर स्ट्रेंथ का अनावरण किया, इसके बाद, उन्होंने कहानी सुनाने के सत्र में भाग लिया और पुस्तक का एक आकर्षक हिस्सा सुनाया। इस अवसर पर बोलते हुए, महामहिम यदुवीर कृष्णदत्त चामराज ने कहा, ट्राइटन वाल्व्स मैसूर की नवाचार की विरासत और भारत की आत्मनिर्भरता की भावना का एक गौरवशाली प्रमाण है। पिछले पचास वर्षों से, इसने न केवल भारत बल्कि दुनिया की सेवा करते हुए दृढ़ता, गुणवत्ता और विविधीकरण का एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। जब हम 2047 तक एक विकसित भारत की दिशा में काम कर रहे हैं, ट्राइटन हम सभी को मेक इन इंडिया की शक्ति में विश्वास करने और समर्पण, दृष्टि और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता से जन्मी उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए प्रेरित करता है।

दर्शकों को संबोधित करते हुए, आदित्य एम. गोकर्ण ने कंपनी की असाधारण यात्रा के बारे में बात कीः हमारी स्वर्ण जयंती केवल व्यापार में 50 साल का उत्सव नहीं है–यह मेरे पिता, श्री एम.वी. गोकर्ण, और मेरी मां, अनुराधा गोकर्ण की असाधारण दृढ़ता और नेतृत्व के लिए एक श्रद्धांजलि है, जिन्होंने मुश्किलों को अवसर में बदल दिया और भारत में ट्राइटन के नेतृत्व को सुनिश्चित किया। उनकी विरासत हमें हर दिन प्रेरित करती है।

बाबू भाई भवानजी के नेतृत्व में किया गया साड़ी वितरण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गणेश उत्सव के अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं मुंबई के पूर्व उपमहापौर बाबुभाई भवानजी जी ने मुंबई की विभिन्न बिहारी बस्तियों में कार्यकताओं के साथ जाकर हजारों महिलाओं को साड़ियाँ वितरित किया गया। साथ ही उन्होंने बिहार में डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए लोगों से अपील की कि बिहार के सर्वांगीण विकास,भयमुक्त वातावरण, गुंडागर्दी व भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था, नए उद्योग-रोजगार, किसानों में आत्मविश्वास, गुंडागिरी, भय मुक्त और आत्मनिर्भर बिहार के लिए फिर से ठऊअ सरकार को विजयी बनाएं। आप स्वयं मतदान करें और अपने सगे-संबंधियों व परिचितों को भी फोन के माध्यम से मतदान हेतु प्रेरित करें।

संत डोमिनिक सेवियोज हाई स्कूल में कार्यशाला का आयोजन

पटना(उत्तरशक्ति)। संत डोमिनिक सेवियोज हाई स्कूल, नासरीगंज, पटना स्थित जे.पी. गॉल्स्टन सभागार में पटना येशु समाजी संवाद आयोग द्वारा शिक्षकों हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका विषय था भारत के विकास में महत्वपूर्ण धर्मों का योगदान। कार्यक्रम का आयोजन फादर डॉ. जोस कालापूरा, पटना शांति आयोग और फा. डॉ. एस. लौरेन्स, जीवन संघम, बोधगया के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं ने बौद्ध, ईसाई, सिख, हिन्दू तथा इस्लाम धर्म के योगदान पर अपने विचार रखे तथा यह भी बताया कि इन्ही सभी धर्मो ने भारत को एक सशक्त विश्व गुरू के रूप में पहचान दिलाई। वक्ताओं ने सामाजिक सुधार तथा राष्ट्रीय सेवा में इन धर्मों के योगदान पर भी चर्चा की। कार्यशाला का मुख्य बिन्दु भारत को एक लोकतांत्रिक और सहिष्णु राष्ट्र के रूप में पहचान दिलाने पर आधारित था जहाँ सभी लोग शांति एवं सदभाव के साथ निवास करते है। वक्ताओं में डॉ. जोस कालापूरा, समन्वयक, पटना येशु समाजी संवाद आयोग, भूतपूर्व निदेशक, जेवियर सामाजिक शोध संस्थान पटना, डॉ. एस. लौरेन्स, जीवन संघम बोधगया, सरदार गुरदयाल सिंह, पटना सिटी, डॉ. नवीन कुमार, पटना तथा डॉ. ईम्तियाज अहमद, पूर्व निदेशक खुदा बख्श ओरिएन्टल पब्लिक लाईब्रेरी पटना थे। कार्यक्रम में संत डोमिनिक सेवियोज हाई स्कूल के सभी शिक्षको ने भाग लिया। नेविल फिलिप्स ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा धन्यवाद ज्ञापन श्रीमति सैन्ड्रा ईलीस उप-प्रधानाचार्या ने प्रेषित किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 48600 मामले हुए निस्तारित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय/सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रशांत कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार एवं माननीय प्रशासनिक न्यायमूर्ति प्रकाश पडिया, माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद व माननीय जनपद न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा की अध्यक्षता एवं निर्देशन एवं प्रशांत कुमार सिंह, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर की देखरेख में जनपद न्यायालय परिसर जौनपुर में 13 सितम्बर 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश जौनपुर द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर लोक अदालत का शुभारम्भ किया गया तथा उनके द्वारा अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण हेतु सर्व सम्बन्धित को प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, पीठासीन अधिकारी एम0ए0सी0टी0 मनोज कुमार अग्रवाल, समस्त अपर जनपद न्यायाधीशगण तथा समस्त सिविल व फौजदारी न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न न्यायालयों में लम्बित 4446 एवं राजस्व न्यायालयों तथा प्रशासन के अन्य विभागों में प्रीलिटिगेशन वाद के कुल 44154 मामलें निस्तारित हुए तथा समझौता राशि कुल रू0 104654539 रुपये की गई। पारिवारिक न्यायालयो द्वारा 154 मुकदमों को निस्तारित किया गया जिसमें पीड़िता को मु0 25585000 रुपए की समझौता राशि प्रदान करायी गयी। इस अवसर पर पीठासीन अधिकारी एम0ए0सी0टी0 द्वारा क्षतिपूर्ति के 122 मुकदमें लगाये गये जिनमें से 108 मामलों का निस्तारण करते हुए कुल रू0 81329000 रुपये की धनराशि क्षतिपूर्ति याचीगण को दिलायी गयी।

न्यायालय अपर जिला जज चतुर्थ जौनपुर द्वारा विद्युत वसूली के 304 वादों का निस्तारण किया गया। विभिन्न न्यायालयों द्वारा 2890 शमनीय फौजदारी वादों को निस्तारित किया गया जिनमें रू0 774910 का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया। एन0 आई0 एक्ट के 01 मामलों का निस्तारण किया गया तथा अन्य प्रकार के 886 मामलों का निस्तारण किया गया जिसमें समझौता राशि रू0 15540 दिलाया गया। सिविल न्यायालयों द्वारा कुल 103 मामलों का निस्तारण किया गया जिसमें उत्तराधिकार के मामलों में मु0 23801008 रुपए का प्रमाण पत्र निर्गत किया गया।

प्री-लिटिगेशन स्तर पर वैवाहिक विवाद के 04 मामलों का निस्तारण किया गया तथा राजस्व न्यायालयों फौजदारी के 1853 वादों, राजस्व के 562 वाद एवं अन्य प्रकार के 40519 व नगर पालिका द्वारा जलकर से सम्बन्धित 51 वादों, विद्युत बिल से सम्बन्धित 179 मामलों का निस्तारण किया गया।

बैंक/फाइनेंस कम्पनी एवं बी0एस0एन0एल0 आदि के रिकवरी से सम्बन्धित 986 प्री-लिटिगेशन वाद निस्तारित किये गये तथा जिसमें मु0 101906103 रुपये का समझौता किया गया। इस प्रकार राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 48600 मामलों का निस्तारण किया गया जिसमें कुल रू0 236159997 रुपये की धनराशि पर समझौता किया गया।

वेतन रोके जाने और निजीकरण की तैयारी पर प्रबंधन को खुली चुनौती

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर बनारस के बिजली कर्मियों का निजीकरण विरोधी आंदोलन शनिवार को लगातार 290वें दिन भी जारी रहा। प्रदेश के सभी जनपदों और परियोजनाओं की तरह वाराणसी में भी कर्मचारियों ने जोरदार प्रदर्शन कर प्रबंधन के फैसलों का विरोध किया। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि प्रबंधन ने बिना पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए फेसियल अटेंडेंस को अनिवार्य बना दिया है और इसी आधार पर हजारों कर्मियों का वेतन रोक दिया गया है। वक्ताओं ने इसे ह्तानाशाहीह्न करार देते हुए कहा कि वेतन रोककर निजीकरण स्वीकार कराने की कोशिश सफल नहीं होगी। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि जून, जुलाई और अगस्त माह का वेतन अब तक कई हजार कर्मियों को नहीं मिला है, जबकि वे लगातार ड्यूटी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि काम करने के बावजूद तीन माह तक वेतन न देना ह्नअमानवीय और गंभीर उत्पीड़नात्मकह्न कार्रवाई है। नेताओं ने कहा कि निजीकरण की तैयारी के तहत मई माह में बड़े पैमाने पर संविदा कर्मियों की छंटनी की गई। 55 वर्ष की आयु पार करने वाले कर्मियों को हटाया गया और कई को ह्नडाउनसाइजिंगह्न के नाम पर सेवा से बाहर कर दिया गया। इसका असर पूरे प्रदेश की बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर पड़ रहा है। प्रबंधन पर यह भी आरोप लगाया गया कि निजी घरानों को लाभ पहुंचाने के लिए कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के घरों पर जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जिससे उन्हें मिलने वाली रियायती बिजली सुविधा समाप्त की जा सके। संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि नौ माह से चल रहा यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक निजीकरण का निर्णय वापस नहीं लिया जाता और सभी उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयों को समाप्त नहीं किया जाता। सभा को ई. मायाशंकर तिवारी, ई. विजय सिंह, अंकुर पांडेय, योगेंद्र कुमार, विशाल कुमार, गुलजार अहमद, संदीप कुमार, अमित कुमार, नागेंद्र कुमार, जितेंद्र कुमार और राजेंद्र सिंह सहित कई नेताओं ने संबोधित किया।

राज कॉलेज का 184 वा संस्थापक दिवस समारोह मनाया गया

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय राजा श्रीकृष्ण दत्त इंटर कॉलेज के नवनिर्मित, रानी नीता कुंवर सभागार में विद्यालय का 184 वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजा श्रीकृष्ण दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य कैप्टन अखिलेश्वर शुक्ला ने किया। मुख्य अतिथि डॉक्टर सुधाकर उपाध्याय पूर्व प्रधानाचार्य रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सह जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश यादव, तथा अनिल कुमार उपाध्याय प्रबंधक, सर्वोदय इंटर कॉलेज खुदौली रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा संस्थापक राजा कृष्ण दत्त की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। तत्पश्चात विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य डॉक्टर संजय चौबे ने विद्यालय में आए हुए समस्त अतिथियों का माल्यार्पण ,प्रतीक चिन्ह, तथा अंग वस्त्र भेंट करके सम्मानित किया। प्रधानाचार्य ने सभागार में उपस्थित राज कॉलेज पुलिस चौकी के प्रभारी राम प्रकाश यादव को उनके उत्कृष्ट कार्य एवं सहयोग हेतु प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया। संस्थापक दिवस के उपलक्ष में विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की रंगारंग प्रस्तुति की गई, जो अत्यंत ही सराहनीय रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रबंधक सत्य राम प्रजापति ने संस्थापक राजा कृष्ण दत्त के कृतित्व पर प्रकाश डाला और उनके कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की, और आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर संजय चौबे ने उपस्थित अतिथियों और समस्त लोगों को बताया कि विद्यालय की स्थापना 1841 ईस्वी में हुई थी तब से लेकर यह विद्यालय अपने प्रगति पथ पर अग्रसर है ।

विद्यालय में पठन पाठन उत्कृष्ट कार्य का हो रहा है। योजना अलंकार के अंतर्गत विद्यालय में शिक्षण कक्ष का निर्माण और सीमा द्विवेदी (सांसद राज्यसभा) द्वारा प्रदत्त सभागार का निर्माण चल रहा है, और प्रधानाचार्य ने आए हुए सभी अतिथियों का एक बार पुनः आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ प्रवक्ता अशोक तिवारी ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। संस्थापक दिवस के इस अवसर पर कॉलेज के उप प्रबंधक जियाराम यादव, डॉक्टर सुभाष सिंह, संतोष सिंह अध्यक्ष रमाशंकर पाठक (मंत्री माध्यमिक शिक्षक संघ जौनपुर), संजय उपाध्याय पूर्व अध्यक्ष किशोर न्यायालय, प्रेमचंद, अंजनी कुमार श्रीवास्तव, विश्वनाथ यादव, रमेश चंद , बृजेश सिंह ,राम प्रताप, सत्य प्रकाश सिंह, राघवेंद्र सिंह, पवन साहू, नागेंद्र यादव, विनय ओझा, अनिल यादव, संजय सिंह, रंजना चौरसिया , पूजा सिंह, राजमणि, आनंद तिवारी ,सूरज कुमार अखिलेश मौर्या सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के भौतिक विज्ञान प्रवक्ता लेफ्टिनेंट बृजभूषण यादव द्वारा किया गया।

नहाय-खाय के साथ जितिया व्रत शुरू, बाजारों में खरीदारी की धूम

सुरेश गांधी

वाराणसी। आश्विन कृष्ण अष्टमी की बेला, गंगा-तट की ठंडी हवा, धूप-दीप की सुगंध और आस्था के मंत्रों से गूंजती गलियां। संतान की दीघार्यु के लिए मां की अटूट प्रार्थना शनिवार की सुबह-सांझ को विशेष बना रही है। जीवित्पुत्रिका, जिसे जन-जन में जितिया कहा जाता है, महज एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मां के अमर प्रेम और तप का जीवंत आख्यान है।

संतान की लंबी उम्र, स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना से जुड़ा जीवित्पुत्रिका व्रत, लोकप्रिय नाम ह्यजितियाह्न शनिवार को नहाय-खाय की परंपरा के साथ आरंभ हो गया। रविवार 14 सितंबर को माताएं 24 घंटे का निर्जला उपवास रखेंगी और सोमवार 15 सितंबर सोमवार प्रातः 6:27 बजे पारण करेंगी। अश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर पड़ने वाला यह पर्व मां की ममता, त्याग और संकल्प का जीवंत प्रतीक है। यह उपवास भूख-प्यास का साधारण त्याग नहीं, यह वह निःशब्द प्रार्थना है जिसमें मां अपनी हर पीड़ा को संतान के जीवन की सुरक्षा में बदल देती है। सुबह की पहली किरण के साथ ही खोजवां, लंका, मलदहिया, भेलूपुर, लोहता से लेकर सारनाथ तक की गलियों में अद्भुत हलचल थी। महिलाओं ने चावल, कुशा, धूप-दीप, दही-चूड़ा, लाल-पीले धागे और सोने-चांदी के लॉकेट खरीदे। बाजार के हर नुक्कड़ पर आस्था के रंग घुल गए, नोनी के साग की खुशबू, सतपुतिया की ताजगी, और गन्ने की मिठास जैसे पूरे नगर को व्रत की पवित्रता में डुबो रहे हों। रविवार को सायंकाल, जब दीपक की लौ में थरथराएगी, तब हर आंगन में गोबर से बने पोखर और पाकड़ की डाली के पास बैठी माताएं गीत गाएंगी, सिर्फ अपने बच्चों के नाम की नहीं, बल्कि उस अनन्त शक्ति के लिए जो ममता को अमर रखती है। यही जितिया है, जहां भूख से बड़ा प्रेम है, और प्यास से गहरी प्रार्थना. नहाय-खाय के दिन व्रती महिलाएं स्नान-ध्यान कर मडुआ की रोटी, नोनी का साग, दही और चूड़ा का सेवन करती हैं। रविवार को वे सूर्योदय से पूर्व सात्विक भोजन कर निर्जला उपवास का संकल्प लेंगी। आश्विन कृष्ण अष्टमी के प्रदोषकाल में भगवान जीमूतवाहन की पूजा कर व्रत की कथा सुनना अनिवार्य माना गया है। इस वर्ष अष्टमी तिथि 14 सितंबर रविवार को सुबह 8:51 बजे से आरंभ होकर 15 सितंबर सोमवार को प्रातः 5:36 बजे तक रहेगी। पारण का शुभ समय सोमवार सुबह 6:27 बजे के बाद का है। पौराणिक मान्यतानुसार, चील ने इस व्रत का पालन कर सात पुत्रों का सुख पाया, जबकि सियारिन के छल ने उसे संतान सुख से वंचित कर दिया। बाद में भगवान जीमूतवाहन की कृपा से उसे भी संतान सुख मिला और तभी से यह व्रत अनंत आस्था का प्रतीक बन गया। नोनी का साग 40 रुपये प्रति पाव और सतपुतिया 5 से 10 रुपये में बिका। केला 50 रुपये दर्जन और सेब 120 रुपये किलो तक पहुंच गया। धागा और लॉकेटः परंपरा के अनुसार लाल-पीले रंग के धागे और सोने-चांदी के लॉकेट की भी जमकर खरीदारी हुई। महिलाओं ने बच्चों की संख्या से एक अधिक लॉकेट धारण करने की परंपरा निभाई।

मडियाहूं के गढ़ही मोहल्ले में अधेड़ पर अस्तुरा से हमला, चार हिरासत में

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के गढ़ही मोहल्ला में शनिवार सुबह एक अधेड़ पर मोहल्ले के ही युवक द्वारा अस्तुरा से हमला करने का मामला सामने आया है। घटना में घायल अधेड़ को पेट और बांह में मामूली चोटें आईं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इलाज के लिए सीएचसी भेजा, जहां डॉक्टरों ने परिजनों के दबाव में जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, गढ़ही मोहल्ला निवासी एकरामु रब उर्फ पेक्टर सुबह करीब 9 बजे घर के सामने बैठे थे। तभी मोहल्ले का अरशद उर्फ गुड्डा पुत्र पप्पू वहां पहुंचा और उन पर अस्तुरा से हमला कर दिया। बचाव के दौरान पेक्टर की बांह में भी चोट आ गई। शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे, तब तक आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने घटना की जानकारी मिलते ही चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं आरोपी के पिता पप्पू अंसारी का कहना है कि एकरामु रब ने खुद को चाकू से घायल किया है और पुरानी रंजिश के कारण उनके परिवार को फंसाने की कोशिश कर रहा है। घटना को लेकर मोहल्ले में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। बताया जाता है कि कुछ दिन पहले एकरामु रब का बेटा शादाब, जो सऊदी अरब में काम करता है, घर आया था। उस दौरान शादाब पर आरोपी पक्ष ने छेड़खानी का आरोप लगाते हुए पुलिस में तहरीर दी थी। हालांकि, पुलिस ने उस मामले में गंभीर धाराओं के बजाय केवल शांति भंग की कार्रवाई की थी। इस बात से नाराज होकर आरोपी अरशद ने हमले की साजिश रची, ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है।फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।